RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 31 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्युनतम तापमान 25 डिग्री

शनिवार 06 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :02 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 37 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 विभाजन की सिसकियां खारिज करने का कारण

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 322 | गाजियाबाद, शनिवार 06 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

शिक्षकों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए:मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर आयोजित समारोह में देश भर के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये। श्रीमती मुर्मु ने इस मौके पर कहा कि भोजन, वस्त्र और आवास की तरह शिक्षा भी व्यक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए आवश्यक है।

समझदार शिक्षक बच्चों में सम्मान और सुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपने वक्त को याद किया और उस समय को अपने जीवन का एक बहुत ही सार्थक काल बताया।राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सक्षम बनाती है।

शिक्षा की शक्ति से गरीब से गरीब पृष्ठभूमि के बच्चे भी उन्नति के आसमान को छू सकते हैं। बच्चों की उड़ान को बल देने में स्नेही और समर्पित शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों का सबसे बड़ा पुरस्कार यही है कि उनके विद्यार्थी उन्हें जीवन भर याद रखें और परिवार, समाज और देश के लिए सराहनीय योगदान दें।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण एक शिक्षक का प्राथमिक कर्तव्य है।

नैतिक आचरण का पालन करने वाले संवेदनशील, जिम्मेदार और समर्पित विद्यार्थी उन विद्यार्थियों से बेहतर होते हैं, जो केवल प्रतिस्पर्धा, किताबी ज्ञान और स्वार्थ में रुचि रखते हैं। एक अच्छे शिक्षक में भावनायें और बुद्धि दोनों होती हैं। भावनाओं और बुद्धि का समन्वय विद्यार्थियों पर भी प्रभाव डालता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि स्मार्ट ब्लैकबोर्ड, स्मार्ट कक्षायें और अन्य आधुनिक सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है, स्मार्ट शिक्षक। उन्होंने कहा कि स्मार्ट शिक्षक वे शिक्षक होते हैं जो अपने विद्यार्थियों के विकास की आवश्यकताओं को समझते हैं। स्मार्ट शिक्षक स्नेह और संवेदनशीलता के साथ अध्ययन की प्रक्रिया को रोचक और प्रभावी बनाते हैं। ऐसे शिक्षक छात्रों को समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए।

बालिकाओं की शिक्षा में निवेश करके, हम अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में एक अमूल्य निवेश करते हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को सर्वोत्तम संभव शिक्षा प्रदान करना महिला-नेतृत्व विकास को बढ़ावा देने का सबसे प्रभावी तरीका है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 कश्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के विश्तार और वंचित वर्ग की बालिकाओं को विशेष शिक्षा सुविधायें प्रदान करने पर ज़ोर देती है, लेकिन शिक्षा से जुड़ी किसी भी पहल की सफलता मुख्यतः शिक्षकों पर निर्भर करती है।

उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे बालिकाओं की शिक्षा में जितना अधिक योगदान देंगे, शिक्षक के रूप में उनका जीवन उतना ही सार्थक होगा। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बालिकाओं सहित उन सभी विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दें, जो अपेक्षाकृत शर्मीले हैं, या कम सुविधा प्राप्त पृष्ठभूमि से आते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है। उन्होंने कहा, "इसके लिए हमारे शिक्षकों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए।

हमारे संस्थानों और शिक्षकों को शिक्षा के तीनों क्षेत्रों - स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा और कौशल शिक्षा - में सक्रिय रूप से योगदान देना होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हमारे शिक्षक अपने महत्वपूर्ण योगदान से भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित करेंगे। "इस मौके पर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी और कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

राष्ट्रपति ने प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान पर जताया दुख, लोगों से एकजुट रहने की अपील

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को मानसून के दौरान देश में हुई प्राकृतिक आपदाओं पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना जताते हुए लोगों से एकजुटता का आह्वान किया। साथ ही इस संकट की घड़ी में राहत बचाव कार्यों में जुटी एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की सराहना की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "बादल फटने और बाढ़ जैसी आपदाओं ने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, असम सहित देश के कई हिस्सों में भारी तबाही मचाई है। इन आपदाओं के कारण जान-माल का भारी नुकसान हुआ है।" उन्होंने पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

राष्ट्रपति ने लिखा, "इस साल मानसून के दौरान प्राकृतिक आपदाओं की खबरों ने मुझे बहुत दुखी किया। पहाड़ी क्षेत्रों में बादल फटने और मैदानी इलाकों में बाढ़ ने भारी विनाश किया है।"

उन्होंने राष्ट्र की ओर से प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता दिखाई और

इस संकट की घड़ी में उनके साथ खड़े होने का आश्वासन दिया। उन्होंने लिखा, "राष्ट्र प्रभावित लोगों के दुख में शामिल है और इस संकट की घड़ी में उनके साथ है।"

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रभावित इलाकों में बचाव और राहत कार्यों में लगे लोगों के समर्पण और जज्बे की भी सराहना की। उन्होंने कहा, "मैं उन सभी के प्रयासों को सलाम करती हूं जो इस मुश्किल समय में लोगों की मदद के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं।" साथ ही उन्होंने देशवासियों से एकजुट होकर इस चुनौती का सामना करने का आह्वान किया।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के खिलाफ प्रदर्शन पर भारत ने जताई चिंता

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के कई शहरों में हुए एंटी-इमिग्रेंट (प्रवासन के खिलाफ) प्रदर्शनों पर चिंता जताई है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने भारत चिंताओं का संज्ञान लेते हुए माना है कि यह प्रदर्शन उनके बहुसांस्कृतिक समाज के लिए चिंता का विषय हो सकता है। भारत ने आश्वासन दिया है कि वह विदेश में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के खिलाफ हाल ही में हुए प्रदर्शनों पर प्रतिक्रिया दी। प्रवक्ता ने कहा कि 31 अगश्त को ऑस्ट्रेलिया के कई शहरों में एंटी-इमिग्रेंट प्रदर्शन हुए। इस दौरान भारत का उच्चायोग और महावाणिज्य दूत लगातार ऑस्ट्रेलियाई सरकार और भारतीय समुदाय के संपर्क में रहे।

युगांडा में एमपॉक्स के मामले 8,001 पहुँचे, 50 की मौत

✷ वेबवार्ता. कंपाला ✷। युगांडा में पिछले चौबीस घंटों में खतरनाक बीमारी एमपॉक्स के कारण दो लोगों की और मौत होने से इससे मरने वालों का आंकड़ा 50 पर पहुंच गया। साथ ही 15 नए मामले दर्ज किए गए जिससे इस बीमारी से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़कर 8,001 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि नए मामले भले ही सामने आए हों लेकिन इस बीमारी का संक्रमण ढलान पर है। सप्ताह के आधार पर सामने आए मामलों को देख कर यह कहा जा सकता है कि संक्रमण की घटनाओं में कुल मिलाकर कमी आई है। मंत्रालय के अनुसार अब तक 146 जिलों में से 120 में से एमपॉक्स की शुरुआत से कम से कम एक मामला सामने आया है और 40 जिलों में पिछले 21 दिनों में नए मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'कुल मिलाकर, पुष्ट मामलों में 50 मौतें हुई हैं, जिनमें से 46 प्रतिशत एचआईवी से सह-संक्रमित थे।'

श्रीलंका बस हादसे में कम से कम 15 की मौत

✷ वेबवार्ता. कोलंबो ✷। श्रीलंका के उवा प्रांत में एला-वेल्लावेया मार्ग पर गुरुवार रात एक बस दुर्घटना में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गये। पुलिस ने इस दुर्घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा तब हुआ जब एक बस सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई। अस्पताल के एक प्रवक्ता ने बताया कि घायलों में कुछ की स्थिति बेहद गंभीर है। बस में सवार यात्री एक समूह में थे और वे छुट्टियां मना कर वापस लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक दुर्गम इलाके में पुलिस, सेना, अग्निशमन विभाग और स्थानीय लोगों के साथ बचाव कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान शुक्रवार की सुबह चार बजे तक जारी रहा।

यूपी में सुविधाएं नहीं केवल वसूली, मेरी गाड़ी का आठ लाख रुपए का चालान कटा : अखिलेश यादव

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सरकार सुविधा देने के बजाए उल्टा वसूली में लगी हुई है। उन्होंने दावा किया कि उनकी गाड़ी का ओवर स्पीडिंग के कारण आठ लाख रुपए का चालान कर दिया। सपा मुखिया ने शुक्रवार को पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भाजपा के लोग पूरा सिस्टम चला रहे हैं। पुलिस पैसा वसूल रही है। सरकार की तरफ से जो गाड़ी हमें दी गई है वो चलने की हालत में नहीं है। मेरी गाड़ी का आगरा एक्सप्रेसवे पर ओवरस्पीडिंग के कारण आठ लाख रुपये का चालान कर दिया। एबीवीपी पर हुए लाठी चार्ज को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि पिटाई वीडियो देखकर दुख पहुंचा रहा है। यह परिषद और वाहिनी की लड़ाई है। उन्होंने इस दौरान मुख्यमंत्री पर भी निशाना साधा।

स्टार्टअप में आईआईटी रुड़की का अहम योगदान : डॉ. जितेंद्र

✷ वेबवार्ता. रुड़की ✷

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के दीक्षांत समारोह को संबंधित करते हुए कहा, "देश भर में 1.7 लाख स्टार्टअप्स में से लगभग 240 स्टार्टअप्स के साथ, आईआईटी, रुड़की भारत के स्टार्टअप आंदोलन में एक बड़ा योगदान दे रहा है।"

डॉ. सिंह ने कहा कि आपके नौ उत्कृष्टता केंद्र, आपदा जोखिम, लचीलापन एवं स्थिरता के क्षेत्र में आपका अग्रणी कार्य, एवं वाइब्रेंट विलेज जैसी पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों के साथ आपकी गहरी भागीदारी आपको एक शैक्षणिक संस्थान का सच्चा आदर्श बनाती है।

उन्होंने आईआईटी, रुड़की की प्रशंसा करते हुए कहा कि हिमालय में स्थित होने के कारण, आपकी भूमिका न केवल आपदाओं के दौरान महत्वपूर्ण है, बल्कि उस समय भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जिसे मैं 'शांतिकाल' कहता हूँ, जहाँ आपके जैसे संस्थान राष्ट्र के लिए लचीलापन, स्थिरता एवं विकास का निर्माण करने में सहायता करते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आईआईटी रूड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, "संस्थान को लगातार चौथे वर्ष भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा सर्वाधिक नवोन्मेषी संस्थान पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। साथ ही स्टैम में महिलाओं की उत्कृष्टता के लिए कार्टियर अचीवर पुरस्कार भी प्रदान किया गया है।

जबकि कल शाम ही, राष्ट्रीय रैंकिंग में, आप छठे स्थान पर रहे। यह अपने आप में इस बात का पर्याप्त प्रमाण है कि इस संस्थान ने वर्षों से अपने मानकों को कितनी उल्लेखनीय निरंतरता के साथ बनाए रखा है।" समारोह में कुल 2,614 छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की गई।

जिनमें 1,267 स्नातक, 847 स्नातकोत्तर एवं 500 पीएचडी शोधार्थी (संयुक्त एवं दोहरी उपाधियों सहित) शामिल हैं। इनमें 602 छात्राएँ भी सम्मिलित हैं।

दुर्गति की ओर ले जाती है किसी भी राष्ट्र के भीतर की अराजकता : सीएम योगी

✷ एनसीआर टुडे. गोरखपुर ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नागरिकों के संरक्षण के साथ-साथ दुष्टों का संहार करके ही कोई राष्ट्र सुरक्षित रह सकता है। सुरक्षा के माहौल में ही समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र के भीतर की अराजकता दुर्गति की ओर ले जाती है।

सीएम योगी ने शुक्रवार को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों पर आयोजित संगोष्ठी श्रृंखला के पहले दिन 'भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता की। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आचार्य चाणक्य के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि, "कोई राष्ट्र बाहरी रूप से सुरक्षित हो लेकिन आंतरिक तौर पर असुरक्षित हो तो उसे अराजक राष्ट्र माना जाता है। ऐसा अराजक राष्ट्र शीघ्र समाप्त होने के कगार पर होता है। पाकिश्तान इसी तरह के अराजक राष्ट्र का उदाहरण है। आंतरिक अराजकता से वह पूरी तरह खोखला हो चुका है।"

उन्होंने कहा कि अराजकता किसी भी राष्ट्र को दुर्गति की ओर ले जाती है। दुर्गति से अशितत्व पर संकट होता है। भारत प्राचीनकाल से ही इस पर सजग और सतर्क रहा है। वैदिक काल से ही भारत में यह शिक्षा दी गई है कि धरती हमारी माता है। कोई भी सुयोग्य पुत्र मां के साथ अराजकता बर्दाश्त नहीं कर सकता। भारत मां की आन, बान, शान के प्रति किसी ने दुस्साहस किया तो उसके खिलाफ हर भारतीय खड़ा होगा। सीएम योगी ने रामायण काल में उपद्रवियों के नाश के लिए प्रभु श्रीराम के 'निसिचर हीन करहुं महि' संकल्प को रामराज की आधारशिला बताया। इसी परिप्रेक्ष्य में उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के 'परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्' के उद्घोष को संदर्भित करते हुए कहा कि नागरिकों का संरक्षण और दुष्टों का संहार राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपरिहार्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिए गए पंचप्रण का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें सेना के जवानों के प्रति सम्मान का भाव रखने का भी एक संकल्प है।

सरकार ने सड़क दुर्घटना के शिकार दिव्यांग लोगों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया का मसौदा जारी किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्र ने दिव्यांगजनों के अनुकूल एम्बुलेंस, घायलों को प्राथमिकता के आधार पर निकालने, प्रथम प्रतिक्रिया देने वाले प्रशिक्षित लोगों, सुलभ सार्वजनिक परिवहन और सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों के लिए व्यापक पुनर्वास योजनाओं को अनिवार्य बनाने हेतु मसौदा दिशानिर्देश प्रश्तावित किए हैं।

वाश्तविक समय पर अलर्ट जारी करने और सुव्यवस्थित मुआवजे के दावों के लिए दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) द्वारा तैयार मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को दुर्घटना रिपोर्टिंग डेटाबेस और विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) प्रणाली के साथ जोड़ा जाता है। सार्वजनिक परामर्श के लिए ये मसौदा दिशानिर्देश पिछले महीने जारी किए गए थे।

यह मसौदा उच्चतम न्यायालय के 2014 के निर्देश के अनुपालन में तैयार किया गया है, जिसमें सरकार को सड़क सुरक्षा और आघात के बाद की देखभाल के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का दायित्व सौंपा गया था। यह सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ित दिव्यांगजनों की पहचान, तत्काल चिकित्सा प्रतिक्रिया, पुनर्वास और दीर्घकालिक सामाजिक एकीकरण के लिए एक रूपरेखा तैयार करता है। एसओपी के अनुसार, सभी नए और पुनर्निर्मित सड़क एवं परिवहन बुनियादी ढांचे को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 और संबंधित भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) संहिताओं का पालन करना होगा। इसमें स्पर्शनीय फर्श, रैंप, सुगम्य क्रॉसिंग, श्रव्य संकेत, लो-फ्लोर बसें और प्राथमिकता वाली सीटें शामिल हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियमित रूप से सुगमता ऑडिट करना आवश्यक होगा।

उमर खालिद के मामले में अन्याय हुआ, सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे : सिब्बल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दिल्ली दंगों के मामले में उमर खालिद को दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा ज़मानत देने से इनकार किए जाने के कुछ दिन बाद शुक्रवार को कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन किया गया है और ''हम इस अन्याय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में जा रहा है, जहां राजनीतिक दल यह सोचकर ऐसे मुद्दे नहीं उठा रहे हैं कि इससे उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान हो सकता है।

सिब्बल ने संवाददाताओं से कहा, ''लगता है कि हम सही काम नहीं करना चाहते और आवाज़ नहीं उठाना चाहते। हमारे वकील, मध्यम वर्ग और समाज चुप है।'' खालिद के वकील द्वारा कम से कम सात बार मामले की सुनवाई स्थगित करने की मांगे किए जाने संबंधी पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की कथित टिप्पणी को लेकर सिब्बल ने कहा कि जब मामला उच्चतम न्यायालय में था, तब बचाव पक्ष ने केवल दो बार स्थगन मांगा था।

उनका कहना था, ''अगर अदालत वर्षों तक फैसला नहीं सुनाती, तो क्या इसके लिए वकीलों को दोषी ठहराया जाना चाहिए? अदालत का यही हाल है। अगर आप ज़मानत नहीं देना चाहते, तो याचिका खारिज कर दीजिए। आपको 20-30 सुनवाई क्यों करनी पड़ती है?''

सिब्बल ने कहा, ''उमर खालिद पिछले चार साल, 11 महीने और 15 दिन से हिरासत में है और आगे हिरासत में रहेगा। 2022 और 2024 में दायर की गई दो अपीलें उच्च न्यायालयों द्वारा खारिज कर दी गई हैं। एक विशेष अनुमति याचिका 2023 में दायर की गई थी, लेकिन 2024 में वापस ले ली गई।'' उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि उच्चतम न्यायालय ने खुद कहा है कि ज़मानत याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई होनी चाहिए।

वित्तीय अपराधों में वांछित भगोड़े हर्षित बाबूलाल जैन को यूएई से भारत लाया गया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि वित्तीय अपराधों में वांछित भगौड़े हर्षित बाबूलाल जैन को संयुक्त अरब अमीरात से भारत ला

या गया है। गुजरात पुलिस द्वारा वांछित घोषित हर्षित बाबूलाल पर गंभीर वित्तीय अपराध के आरोप लगे हैं जिसमें कर चोरी, अवैध जुआ संचालन और धन शोधन जैसे मामले दर्ज हैं। यह कार्रवाई सीबीआई, गुजरात पुलिस और विदेश एवं गृह मंत्रालयों के बीच एक समन्वित प्रयास था।

इंटरपोल के लिए भारत के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो के रूप में कार्यरत सीबीआई ने गुजरात अधिकारियों के अनुरोध पर 2023 में हर्षित बाबूलाल के लिए एक रेड नोटिस जारी किया था। इस नोटिस ने दुनिया भर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उसके वांछित भगोड़े होने की स्थिति के बारे में सचेत कर दिया। वांछित अपराधी हर्षित बाबूलाल को यूएई से निर्वासित किया गया और अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुजरात पुलिस के हवाले कर दिया गया।

सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि इंटरपोल चैनल विदेश भागने वाले अपराधियों पर नज़र रखने और उन्हें पकड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण टूल है। हाल ही के वर्षों में इंटरपोल के साझा प्रयास से 100 से अधिक वांछित अपराधियों को न्याय के कठघरे में खड़ा किया गया है।

क्या है मामला?

सीबीआई ने 2 सितंबर को दर्ज मामले में बताया कि शिकायतकर्ता और उसकी बहन चंदौसी में रेडीमेड कपड़ों की दुकान चलाते हैं। व्यापार विश्तार के लिए शिकायतकर्ता की बहन ने 'मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना' के तहत 3 लाख रुपए के ऋण के लिए आवेदन किया था। बैंक ने 2.70 लाख रुपए का ऋण मंजूर किया,

24 सितंबर को धूमधाम से निकाली जाएगी प्रभु श्री राम की बारात

एनसीआर टुडे. नहटौर । श्री आदर्श रामलीला कमेटी नहटौर के तत्वाधान में 24 सितंबर 2025 दिन बुधवार को दोपहर 2 बजे से नगर पालिका के सामने से बैंड-बाजे व मनमोहक झांकियों के साथ भव्य श्री राम बारात निकाली जाएगी जो नगर के निर्धारित मार्गों से होती हुई राइस मिल कासमपुर लेखराज में संपन्न होगी श्री आदर्श रामलीला कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद जोशी ने बताया कि 24 सितंबर 2025 को निकाले जाने वाली श्री राम बारात की तैयारियां जोरों के साथ की जा रही है 2 अक्टूबर को जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के मैदान पर राम रावण युद्ध होगा तथा रावण का वध किया जाएगा। 4 अक्टूबर को शाम के समय नगर में भरत मिलाप की शोभा यात्रा निकाली जाएगी।

मदरसों की जानिए से ग्राम पंचायत मनिया वाला से पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए गई राहत सामग्री

एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ । पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ग्रामीणों के सहयोग से ग्राम पंचायत मानियावाला के मदरसों की जानिब से राहत सामग्री से भरा एक पिकअप मिनी ट्रक पंजाब के लिए रवाना हुआ। प्राप्त समाचार के अनुसार ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत मानियावाला स्थित इस्लामिया मदरसों की जानिब से मुस्लिम समुदाय के सहयोग से शुक्रवार अपराह्न 2:00 बजे दर्जनों ग्रामीणों की मौजूदगी में बशती के जिम्मेदार हाजी लियाकत ठेकेदार व ग्राम प्रधान पति तसव्वुर कुरैशी, द्वारा राहत सामग्री से भरे पिकअप मिनट ट्रक को छह सदस्य राहत दल जिसमें फरीद अहमद मोबाइल वाले, शेख नईम अहमद, मौहम्मद फैसल, मोहन अहमद सिद्दीकी, समीर अहमद वह चालाक शोएब कुरैशी की निगरानी में पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए लुधियाना पंजाब को रवाना किया।

बांध की सुरक्षा के दृष्टिगत एक हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया

एनसीआर टुडे. कालागढ़ । रामगंगा बांध कालागढ़ का जलस्तर पहाड़ो पर वर्षा के कारण बढ़ रहा है साथ ही बांध क्षेत्र के कैचमेंट मे अत्यधिक वर्षा से पानी रामगंगा बांध मे लगातार बढ़ रहा है बांध मे अत्यधिक पानी की वृद्धि के कारण मुख्य अभियंता पूर्वी गंगा, सिंचाई जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश नलकूप कालोनीसिविल लाइन मुरादाबाद के अनुसार रामगंगा जलाशय का जलस्तर 360 मीटर तक भरे जाने की अनुमति प्रदान की गई बाढ़ की स्थिति मे जल निकासी व्यापक निगरानी रखते हुए जल निकासी कर बांध का जल स्तर 360 मीटर रखा जायेगा अत्यधिक कैचमेंट से पानी आते रहने के कारण 1000 या उससे अधिक पानी की निकासी कर बांध के जलाशय को नियंत्रण किया जायेगा रामगंगा जल विद्युत गृह कालागढ़ की मशीन नम्बर तीन के माध्यम से विद्युत उत्पादन कर पानी की निकासी की जाएगी।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए आगे आए गुरुद्वारा कमेटियां

एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ । अफजलगढ़ के ग्राम पैबंदखेड़ी में पूर्व ग्राम प्रधान प्रत्याशी गुरप्रीत सिंह के नेतृत्व में पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों की मदद के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अफ़जलगढ़ व आसपास के गुरुद्वारों की कमेटियों के सहयोग से खाने-पीने की सामग्री इकट्ठा की जा रही है। गुरप्रीत सिंह ने बताया कि गुरुद्वारा कमेटियां बढ़-चढ़कर सहयोग कर रही हैं। सारी सामग्री पैबंदखेड़ी में संग्रहित कर एक प्रतिनिधिमंडल के जरिए पंजाब भेजी जाएगी। इस दौरान गुरप्रीत सिंह, जसविंदर सिंह, जसवीर सिंह, महेंद्र सिंह, गुरचरण सिंह, गुरदेव सिंह, सोहन सिंह, जसप्रीत सिंह, बलविंदर सिंह, हरप्रीत सिंह, सतनाम सिंह, अमरजीत सिंह, भूपेंद्र सिंह, मक्खन सिंह, जसपाल सिंह और अध्यापक सलाहुद्दीन समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

किशोर संदिग्ध हालात में लापता

एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा । रबूपुरा के तीरथली गांव निवासी सोनू का 15 वर्षीय बेटा मनीष मंगलवार की रात घर में सोया था। वह सुबह बिस्तर पर नहीं मिला। परिजनों ने उसको तलाश किया, लेकिन उसकी कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर किशोर की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों ने मनीष के साथ किसी तरह की अनहोनी होने की आशंका जताई है।

पूर्व देवदासियों पर भी नजर

अल्पसंख्यकों पर सिद्धारमैया का एक और दांव, पहली बार कराने जा रहे ऐसा सर्वे

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अल्पसंख्यकों पर नया दांव चलते हुए गुरुवार को पहली बार लैंगिक अल्पसंख्यकों के शुरुआती सर्वेक्षण की शुरुआत की है। ये सर्वे राज्य के सभी जिलों में होंगे। इसी सर्वे के साथ-साथ पूर्व देवदासियों का पुनः सर्वेक्षण भी शुरू किया गया है। हालांकि, पूर्व देवदासियों का सर्वे सिर्फ 15 जिलों में होगा। पहली बार हो रहे इस सर्वे में विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ, ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य भी भाग लेंगे। यह सर्वेक्षण 15 सितंबर से शुरू होगा और 45 दिनों तक चलेगा।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये सर्वेक्षण उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के बारे में सटीक जानकारी इकट्ठा करने और सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक पुनर्वास प्रदान करने के लिए किए जाएंगे। जिन जिलों में पूर्व देवदासियों के सर्वे कराए जाएंगे, उनमें बेलगावी, विजयपुरा, बागलकोट, रायचूर, कोप्पल, धारवाड़, हावेरी, गडग, ??कलबुर्गी, यादगीर, चित्रदुर्ग, दावणगिरि, शिवमोग्गा, बल्लारी और विजयनगर शामिल हैं। गुरुवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि कर्नाटक राज्य महिला विकास निगम द्वारा किए जा रहे दोनों सर्वेक्षण 15 सितंबर को शुरू होंगे और 45 कार्य दिवसों के भीतर पूरे हो जाएंगे। इसमें कहा गया है कि सर्वेक्षण कराने की तैयारी का काम पहले ही पूरा हो चुका है। इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए, सरकार ने दो ऐप डेवलप करवाए हैं और एक हेल्पलाइन नंबर (1800 599 2025) भी शुरू की है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि लैंगिक अल्पसंख्यकों का सर्वेक्षण राज्य भर के सभी तालुका सरकारी अस्पतालों और जिला सरकारी अस्पतालों में किया जाएगा, जबकि पूर्व देवदासी महिलाओं का पुनः सर्वेक्षण 15 जिलों के तालुका बाल विकास परियोजना अधिकारियों के कार्यालयों में किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि देवदासी पुनर्वास परियोजना इकाई के अधिकारी स्तर के कर्मचारी पूर्व देवदासी महिलाओं का सर्वेक्षण करेंगे। बता दें कि लैंगिक सर्वेक्षण वह प्रक्रिया है जिसमें किसी संगठन, समाज या कार्यस्थल में विभिन्न लिंगों (पुरुष, महिला, ट्रांसजेंडर, नॉन-बाइनरी आदि) के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है उस बारे में जानकारी इकट्ठा की जाती है। इसके अलावा भेदभाव, अवसर, वेतन और अन्य जनसांख्यिकीय पहलुओं पर जानकारी इकट्ठा की जाती है। ये सर्वेक्षण लैंगिक असमानताओं की पहचान करने, पूर्वाग्रहों को उजागर करने और अधिक न्यायसंगत व समतापूर्ण कार्यस्थल बनाने में मदद करते हैं। सिद्धारमैया सरकार ने अल्पसंख्यकों के लैंगिक भेदभाव का पता लगाने के लिए यह सर्वे शुरू कराने का फैसला किया है, जिसे अल्पसंख्यक महिलाओं को रिझाने का एक सियासी दांव समझा जा रहा है।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले विपक्ष के वीपी कैंडिडेट ने फिर किया बड़ा दावा

पटना, एजेंसी। आगामी 9 सितंबर को देश के अगले उपराष्ट्रपति के लिए चुनाव होने हैं। इससे पहले केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। गुरुवार को विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने एक बार फिर बड़ा दावा किया है। रेड्डी ने कहा है कि उन्हें इंडिया गठबंधन के बाहर के दलों का भी समर्थन प्राप्त है। उन्होंने यह भी कहा है कि आगामी चुनाव इतिहास का सबसे निष्पक्ष चुनाव होगा।

सुप्रीम कोर्ट के जज रह चुके रेड्डी पटना में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। इस दौरान रेड्डी ने कहा है कि वह उन राजनीतिक दलों के उम्मीदवार हैं जो देश की 63 प्रतिशत से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। रेड्डी ने कहा कि उन्हें कई उन दलों और निर्दलीय सांसदों का भी समर्थन प्राप्त है जो इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है। बता दें कि इस मौके पर राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव ने रेड्डी को अपनी पार्टी के सभी सांसदों का समर्थन देने की घोषणा भी की है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए रेड्डी ने आगे कहा, ''मैं यह स्पष्ट कर दूं कि भविष्य में किसी भी राजनीतिक दल में शामिल होने का मेरा कोई इरादा नहीं है। मैंने न्यायाधीश रहते हुए संविधान की रक्षा की है और यही मेरी शपथ रही है। अब यह सफर मेरे लिए कोई नया नहीं है। मेरी जिम्मेदारी केवल संविधान का पालन करना नहीं, बल्कि उसकी रक्षा करना भी है।'' इस दौरान उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना भी साधा। रेड्डी ने कहा, ''देश जानना चाहता है कि पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ कहां हैं? क्या उन्हें नजरबंद कर दिया गया है? अगर उनकी सेहत ठीक नहीं है, तो सरकार को मेडिकल बुलेटिन जारी करना चाहिए।'' गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्य मतदान करते हैं। इनमें मनोनीत सदस्य भी शामिल होते हैं। फिलहाल दोनों सदनों में प्रभावी संख्या 781 है और उपराष्ट्रपति पद को हासिल करने के लिए उम्मीदवार को 391 वोट चाहिए होंगे। मौजूदा समीकरणों की बात की जाए तो एनडीए के पक्ष में लगभग 422 सदस्य हैं। ऐसे में इंडिया गठबंधन के लिए उलटफेर करना आसान नहीं होगा। 9 सितंबर को मतदान के बाद उसी शाम वोटों की गिनती कर नतीजे घोषित किए जाएंगे।

उच्च न्यायालय ने 'जॉली एलएलबी 3' की रिलीज पर रोक लगाने संबंधी याचिका खारिज की

इलाहाबाद, एजेंसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने 'जॉली एलएलबी 3' की रिलीज पर रोक लगाने के अनुरोध वाली याचिका को बृहस्पतिवार को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि ट्रेलर में वकीलों के खिलाफ कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा और न्यायमूर्ति बृज राज सिंह की खंडपीठ ने जय वर्धन शुक्ला की याचिका पर पारित किया। अदालत ने याचिका में उठाई गई आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा, ''हमने फिल्म के तीन आधिकारिक ट्रेलर/टीजर देखे हैं। इनमें ऐसा कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है, जिस पर न्यायालय के दखल की आवश्यकता हो।'' अदालत ने यह भी कहा कि फिल्म के एक गाने 'भाई वकील है' के बोल भी देखे गए जिनमें भी ऐसा कुछ नहीं मिला जो वकीलों के खिलाफ हो या उनकी छवि को धूमिल करता हो। याची की ओर से यह दलील दी गई थी कि फिल्म का ट्रेलर और गाने यूट्यूब और सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर प्रसारित हो रहे हैं, जिससे अधिवक्ताओं की छवि को नुकसान पहुंच रहा है और न्यायपालिका की गरिमा प्रभावित हो रही है। याचिका में यह भी कहा गया कि फिल्म की पिछली कड़ियों में भी वकीलों की नकारात्मक छवि प्रस्तुत की गई थी, जिससे लोग इस पेशे से विमुख हो रहे हैं और विधि छात्रों में मोहभंग उत्पन्न हो रहा है। वहीं, याचिका का विरोध करते हुए डिप्टी सॉलिसिटर जनरल एस. बी. पांडेय ने दलील दी कि याचिका विचारणीय नहीं है।

हिमाचल में इस मॉनसून 130 बार लैंडस्लाइड

46 बार बादल फटे, 355 लोगों की मौत; 3787 करोड़ का नुकसान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में इस मॉनसून में बारिश-भूस्खलन के चलते अब तक 355 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग अभी भी लापता हैं और 416 घायल हुए हैं। मॉनसून सीजन के दौरान प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला भी लगातार जारी रहा है। अब तक प्रदेश में 130 भूस्खलन, 95 फ्लैश फ्लड और 45 बादल फटने की घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं। राज्य सरकार ने सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान का प्रारंभिक आकलन 3787 करोड़ रुपये लगाया है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक जिला वार आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा 58 लोगों की मौत मंडी जिले में हुई है। कांगड़ा में 50, चंबा में 43, शिमला में 38, कुल्लू में 31, किन्नौर में 28, सोलन में 25, उना में 21, बिलासपुर और सिरमौर में 18-18, हमीरपुर में 16 और लाहौल-स्पीति में 9 लोगों की जान गई है। इसके अलावा बरसात के कहर से 3136 पशु और 25 हजार से ज्यादा पोल्ट्री पक्षियों की मौत हो चुकी है।

प्रदेश में हुई लगातार भारी बारिश और भूस्खलनों से हजारों घर जमींदोज हो गए हैं। अब तक 5194 कच्चे-पक्के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें 1012 पूरी तरह ढह गए। 447 दुकानें और 4510 पशुशालाएं भी धराशायी हो गई हैं। राज्य सरकार ने सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान का प्रारंभिक आकलन 3787 करोड़ रुपये लगाया है। इसमें अकेले लोक निर्माण विभाग को 2252 करोड़, जलशक्ति विभाग को 1238 करोड़ और ऊर्जा विभाग को 139 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। राज्य में सड़कों और यातायात व्यवस्था की हालत बदतर बनी हुई है। गुरुवार शाम तक चार नेशनल हाइवे और 1208 अन्य सड़कें पूरी तरह अवरुद्ध रहीं। बंद पड़े नेशनल हाइवे में किन्नौर का एनएच-05, कुल्लू का एनएच-03 और एनएच-305, लाहौल-स्पीति का एनएच-505 और मंडी का एनएच-03 शामिल हैं। अकेले मंडी जिले में 287 सड़कें बंद हैं, जबकि कुल्लू में 230, शिमला में 211, चंबा में 192 और कांगड़ा में 41 सड़कें यातायात के लिए ठप हैं।बारिश से बिजली और पानी की आपूर्ति पर भी बड़ा असर पड़ा है। प्रदेश में 1885 ट्रांसफार्मर खराब हो चुके हैं। इनमें सबसे अधिक 999 ट्रांसफार्मर कुल्लू में, 259 शिमला में, 307 मंडी में, 130 सिरमौर में और 136 सोलन में बंद पड़े हैं।

छत्तीसगढ़ में एनएचएम कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला, सामूहिक इस्तीफे सौंपे

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। पदाधिकारियों पर बर्खास्तगी की कार्रवाई के बाद गुरुवार को प्रदेशभर में हजारों एनएचएम कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफे सौंपकर सरकार के खिलाफ मोर्चा और तेज कर दिया।

बस्तर जिले में 887, कांकेर में 655, बिलासपुर में 735, बलौदाबाजार में 421, जांजगीर-चांपा में 340 और मुंगेली जिले में 300 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों ने सामूहिक रूप से अपना त्यागपत्र जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को सौंपा। रायपुर में भी बड़ी संख्या में एनएचएम अधिकारी-कर्मचारी सीएमएचओ कार्यालय पहुंचे और इस्तीफे सौंपने के बाद प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों का कहना है कि नियमितीकरण और 10 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन लंबे समय से जारी है, लेकिन सरकार की ओर से सकारात्मक पहल नहीं हुई। उल्टा 35 अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी गई। इससे प्रदेशभर के स्वास्थ्यकर्मियों में आक्रोश और गहरा गया है।

बिलासपुर में कर्मचारियों ने बाइक रैली निकालकर सीएमएचओ कार्यालय का घेराव किया। वहीं जांजगीर-चांपा में आदेश की कॉपी जलाकर कर्मचारियों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया और आंदोलन को और उग्र करने की चेतावनी दी। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि सरकार ने बार-बार आश्वासन देने के बावजूद नियमितीकरण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। 'मोदी की गारंटी' का हवाला देते हुए कर्मचारियों ने कहा कि वादा पूरा किए बिना वे आंदोलन खत्म नहीं करेंगे।

इस सामूहिक इस्तीफे से प्रदेश के स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गई हैं।

5 करोड़ लोगों का मुफ्त इलाज, ढाई से पांच लाख रुपये तक का हेल्थ कवर

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने नई यूनिवर्सल हेल्थ पॉलिसी को मंजूरी दी है, जिससे राज्य के करीब 5 करोड़ लोग मुफ्त में इलाज करवा सकेंगे। इस स्कीम के तहत इंश्योरेंस कंपनियां 2.5 लाख से 5 लाख रुपये तक का हेल्थ कवर देंगी। गरीबी रेखा से नीचेरहने वाले परिवारों को एनटीआर वैद्य सेवा ट्रस्ट के जरिए 2.5 लाख से 25 लाख रुपये तक का अतिरिक्त कवर मिलेगा। इस प्रोग्राम में कुल 3,257 स्वास्थ्य सेवाएं शामिल होंगी। अस्पताल में भर्ती होने के 6 घंटे के अंदर इलाज की मंजूरी मिल जाएगी। साथ ही, मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी के लिए एनटीआर ट्रस्ट के तहत कंट्रोल सेंटर बनाया जाएगा।

सूचना और जनसंपर्क मंत्री के. पार्थसारथी ने बताया कि सरकार ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल में 10 नए मेडिकल कॉलेज खोलने को भी मंजूरी दी है। ये कॉलेज अदोनी, मदनपल्ली, मार्कापुरम, पुलिवेंदुला, पेनुगोंडा, पालकोले, अमलापुरम, नरसीपट्टनम, बापटला और परवतीपुरम में बनेंगे। इनमें 2027-28 से दाखिले शुरू हो जाएंगे। अमरावती राजधानी क्षेत्र में शैक्षिक संस्थानों और अस्पतालों को दी गई जमीन पर स्टांप ड्यूटी माफ करने का फैसला हुआ है। 31 अगस्त तक की 59,375 अनधिकृत इमारतों को नियमित करने और हाई-राइज इमारतों की ऊंचाई की सीमा 18 मीटर से बढ़ाकर 24 मीटर करने पर भी सहमति बनी।

नूंह में आएगी रोजगार की बहार

नूंह, एजेंसी। हरियाणा का नूंह जिला अब उद्योग और रोजगार में भी अपनी पहचान बनाने जा रहा है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मोबाइल, लैपटॉप आदि के लिए देश की जरूरत की करीब 40 फीसदी बैटरी नूंह में बनेंगी। देश को सलाना 50 करोड़ बैटरी की जरूरत है। अकेले यहां 20 करोड़ बैटरी का निर्माण होगा। शुभारंभ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अथिति बोल रहे थे। तीन हजार करोड़ से अधिक का निवेश कर जापान की टीडीएल कंपनी ने प्लांट को बनाया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस परियोजना से पांच हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा और हरियाणा को औद्योगिक पहचान मिलेगी। इससे देश की नई तकनीक पर पकड़ मजबूत होगी और उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले प्रोडक्ट उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से हजारों युवाओं के जीवन में आर्थिक बदलाव आएगा। हरियाणा के उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि यह प्रोजेक्ट हरियाणा को स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण का बड़ा हब बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। आने वाले वर्षों में प्रदेश में 10 नए औद्योगिक शहर विकसित किए जाएंगे।

देश में धर्म बदल सकते हैं, जाति नहीं; मराठा आरक्षण पर भड़के मंत्री छगन भुजबल बोले

मुंबई, एजेंसी। मराठा समुदाय के पात्र लोगों को कुनबी प्रमाण पत्र देने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले से मंत्री छगन भुजबल नाराज हैं। उन्होंने चिंता जाहिर की है कि अगर गलत दस्तावेज बन गए, तो अगले कुछ सालों में क्या होगा। साथ ही उन्होंने इस मामले को लेकर कोर्ट जाने की संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया है। मंगलवार को सरकार ने प्रमाण पत्र जारी करने के लिए समिति बनाने का ऐलान किया है।

भुजबल ने कहा कि ओबीसी समुदाय के लोगों के हित में बात करना उनका काम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्वासन दिया है कि ओबीसी इससे प्रभावित नहीं होंगे, लेकिन खुद भुजबल इस बात से चिंतित हैं कि अगर गलत दस्तावेज तैयार करा लिए गए तो अगले 10-15 सालों में क्या होगा। उन्होंने कहा, मैंने उनको (सरकार) को बताया कि 1921, 1931 हैदराबाद गजट में मराठाओं और कुनबी को अलग दिखाया गया है...। अब सवाल यह है कि अगर हैदराबाद गजट को माना जाता है, तो ठीक है लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो क्या होगा। दस्तावेज में कहा गया है कि कुनबी प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए मराठाओं को नीचे दी गई शर्तों को पूरा करना होगा।

उन्होंने आगे कहा, अगर कुनबी के पास सर्टिफिकेट नहीं है और उन्हें मिल जाता है, तो ठीक है, लेकिन मराठा समुदाय के व्यक्ति को यह कैसे मिल सकता है। आप किसी की जाति कैसे बदल सकते हैं। इस देश में धर्म बदला जा सकता है, जाति नहीं। जब सरकारी आदेश को कोर्ट में चुनौती देने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने चैनल को बताया कि वह महाराष्ट्र में मंत्री हैं, लेकिन उन्हें ओबीसी समुदाय के लिए भी बात करनी होगी। उन्होंने कहा, अगर मैं नहीं बोला, तो कौन बोलेगा। मुझे मेरा काम करना ही होगा। दूसरे नेता विचार कर सकते हैं कि उन्हें इसके बारे में क्या करना है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा मराठा समुदाय के सदस्यों को उनकी कुनबी विरासत के ऐतिहासिक साक्ष्य के साथ कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए एक समिति के गठन की घोषणा के बाद मंगलवार को जरांगे ने यहां आजाद मैदान में अपना पांच दिवसीय अनशन समाप्त कर दिया था। मराठा समुदाय को राज्य में ओबीसी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। सीएम ने की बात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्होंने मंत्रिमंडल के अपने सहयोगी एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल से बात की है, जिन्होंने बुधवार को पात्र मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने में तेजी लाने के लिए जारी किए गए जीआर पर खुले तौर पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। फडणवीस ने कहा, मैंने उनसे कहा कि सरकारी आदेश से ओबीसी कोटा प्रभावित नहीं होगा। केवल उन पात्र मराठों को ही जाति प्रमाण पत्र दिया जायेगा, जिनके पास कुनबी वंश का वैध प्रमाण होगा, सभी मराठों को नहीं। फडणवीस ने कहा कि भुजबल को आश्वस्त किया जाएगा कि ओबीसी के हितों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

किशोर ने पंखे से फंदा लगाकर जान दी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की संगम विहार कॉलोनी में 13 वर्षीय किशोर ने कमरे में पंखे से फंदा लगा लिया। परिजन उसे फंदे से उतारकर उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर पुलिस को सूचना दी। मृतक के परिजनों ने पुलिस से पोस्टमार्टम व कानूनी कार्रवाई कराने से इंकार कर दिया। संगम विहार कॉलोनी निवासी धीरेंद्र सिंह दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करते है। वह प्रतिदिन की भांति शनिवार को नौकरी पर गए थे। पत्नी सुबह सात वर्षीय पुत्री को स्कूल छोड़ने गई थी। घर लौटने पर देखा कि 13 वर्षीय पुत्र विराट कमरे में लगे पंखे से रस्सी के सहारे फंदा लगा लटका हुआ था। शोर मचाने पर आसपास के लोग उसे फंदे से उतार कर निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर पुलिस को सूचना दी। इस दौरान पुत्र के फंदा लगाने की सूचना मिलने पर पिता अस्पताल पहुंचे। परिजनों ने पुलिस से शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मृतक के परिजनों ने पोस्टमार्टम और किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई करने से इंकार किया है।

बीच बचाव करने पर युवक को कैची मारकर किया घायल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर थानाक्षेत्र के गांव मुरादपुर पुर्सी में शुक्रवार को बीचबचाव करना एक युवक को महंगा पड़ गया। दबंग ने कैची मारकर युवक को घायल कर दिया। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव मुरादपुर पुर्सी निवासी अनुभव शर्मा ने बताया कि मेरे घर के सामने शिवा व अंशु आपस में झगड़ा कर रहे थे। झगड़ा करने वाले के हाथ में कैची थी। अनुभव शर्मा ने झगड़ा कर रहे युवकों को समझा बुझाकर शांत करा दिया। इस बात से नाराज होकर एक युवक ने कैची से वार कर अनुभव के गाल पर मार दी। गंभीर हालत में अनुभव शर्मा को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी है। पुलिस जांच के बाद रिपोर्ट दर्ज करने की बात कह रही है।

परिवार के साथ मिलकर दोस्त के साथ मारपीट करने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में एटीएस सोसाइटी के समीप दो दोश्तों में शराब पार्टी के दौरान झगड़ा हो गया। इसी बीच एक युवक ने अपने परिवार के लोगों को बुलाकर दोश्त के साथ मारपीट की। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक साकीपुर गांव के रहने वाले मिथुन ने आरोपी गौरव, उसके पिता सुखपाल और भाई संजू और अतुल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। मिथुन का आरोप है कि उसके भाई राजेश का शुक्रवार को अपने दोश्त गौरव से शराब पार्टी के दौरान झगड़ा हो गया था। इसी बीच गौरव ने फोन कर अपने परिवार के लोगों को मौके पर बुला लिया। गौरव और उसके परिवार के लोगों ने एक राय होकर राजेश को बुरी तरह पीटा। मारपीट में उसे गंभीर चोटें आईं। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एनडीपीएस ऐक्ट में सजा

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। जिला अदालत ने नशा तस्करी के मामले में दिल्ली निवासी आकाश जैन को शुक्रवार को दोषी मानते हुए छह महीने और चार दिन के कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने उस पर जुर्माना भी लगाया। नोएडा सेक्टर-39 थाने की पुलिस ने आरोपी आकाश के खिलाफ करीब छह माह पहले गैंगस्टर ऐक्ट में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। न्यायालय में केस की सुनवाई के दौरान आरोपी को एनडीपीएस ऐक्ट में दोषी पाया गया। अदालत ने दोषी को छह माह की सजा सुनाई है। दोषी पर एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना राशि जमा नहीं करने पर तीन दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

ठगे गए रुपये वापस कराए

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने ठग गए एक लाख 40 हजार रुपये पीड़ित को वापस करा दिए। पुलिस ने मामला संज्ञान में आते ही संबंधित बैंक के अधिकारियों से संपर्क किया और ठगी की रकम पीड़ित के मूल खाते में वापस करा दी। पीड़ित ने इस पहल के लिए पुलिस का आभार प्रकट किया है। साइबर ठगी रोकने के लिए पुलिस की ओर से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। साइबर सुरक्षा से संबंधित विविध कार्यक्रम जिले के अलग-अलग हिस्से में चलाए जा रहे हैं।

गाली-गलौज के विरोध में सिर फोड़ा

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। रबूपुरा कस्बे के बड़ा मोहल्ला निवासी निहाल का आरोप है कि वह गुरुवार को अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान सचिन मीणा और मुकेश मीणा वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से उसके सिर पर हमला कर दिया। निहाल बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। आरोपियों ने निहाल को बचाने पहुंची चाची के साथ भी मारपीट की और भाग गए। दोनों घायलों को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

छात्रा को ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। ग्रेटर नोएडा, 05 सितंबर (वेब वार्ता)। सेक्टर ईकोटेक-1 कोतवाली पुलिस ने छात्रा को बहला फुसलाकर भाग ले जाने वाले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने छात्रा को सकुशल मुक्त करा लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक लुक्सर गांव में किराये के मकान में रहने वाले एक परिवार की 16 वर्षीय बेटी इंटर कॉलेज में 11वीं कक्षा की छात्रा है। परिजनों के मुताबिक छात्रा 25 अगश्त की सुबह घर से कॉलेज के लिए निकली थी। इसके बाद वापस नहीं लौटी। इधर-उधर काफी तलाश करने के बाद भी छात्रा का कोई पता नहीं चल सका तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने काफी प्रयास के बाद छात्रा को बहला फुसलाकर भगा ले जाने वाले आरोपी प्रीतम उर्फ बादल को गिरफ्तार कर लिया।

दबंगों ने महिला को मारपीट कर घायल किया, पुलिस कार्यवाही को तैयार नहीं

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव में गांव निवासी एक महिला के साथ दबंगों ने जमकर मारपीट की जिसमें महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

घायल महिला को परिजन उचित उपचार के लिए कस अफजलगढ़ ले गए जिसके पश्चात पीड़ित महिला की बहू द्वारा थाना बढ़ापुर पुलिस से कार्यवाही की गुहार गई परंतु बढ़ापुर पुलिस ने महिला की रिपोर्ट दर्ज करना भी गवारा नहीं किया।

बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव कुआं खेड़ा खदरी निवासी विमला कौर पत्नी स्वर्गीय राजू सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि गत दिनांक 3 सितंबर 2025 उसका देवर सोनू किसी कार्य से बाहर जा रहा था।

उसी समय पड़ोस के दबंग व्यक्ति दर्शन सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह व गोविंदा पुत्र दर्शन सिंह ने पीड़िता के देवर के साथ मारपीट शुरू कर दी।

देवर के साथ मारपीट होते देख पीड़िता व उसकी सास रानी बाई बीच बचाओ करने के लिए आई तो उपरोक्त आरोपियों द्वारा उन दोनों के साथ में भी मारपीट की जिसमें पीड़िता के सास रानी बाई गंभीर रूप से घायल हो गई।

उपरोक्त आरोपियों द्वारा पीड़िता के सास के सर पर किसी चीज से वार किया गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल अवस्था में रानी बाई को उचित उपचार के लिए अफजलगढ़ सीएससी केंद्र ले जाया गया।

इसके पश्चात गुरुवार को पीड़िता द्वारा थाना बढ़ापुर पर लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई परंतु बढ़ापुर पुलिस द्वारा घटना के दो दिन बाद भी पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज करना गवारा नहीं किया जिस कारण उसके परिजन अब विभाग के उच्च अधिकारियों के समक्ष अपना पक्ष रखने की बात कर रहे हैं।

इस बाबात जब थाना प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस प्रकार का मामला उनके संज्ञान में नहीं है जांच कर उचित कार्यवाही अमल में लाएंगे।

थाना नगीना में जब्त किए गए खड़े वाहनों की नीलामी प्रक्रिया संपन्न

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

जिला मजिस्ट्रेट बिजनौर के निर्देश पर एस डी एम नगीना नितिन कुमार

व पुलिस क्षेत्राधिकारी नगीना डॉ अंजनी कुमार चतुर्वेदी नगीना की देखरेख में नगीना थाने में एक कमेटी गठित कर थाना परिसर में काफी समय से खड़े दोपहिया वाहनों की नीलामी प्रक्रिया सम्पन्न की गई ।

कमेटी में आर.आई. प्रवर्तन मानवेन्द्र प्रताप सिंह थाना अध्यक्ष संजय कुमार वरिष्ठ उपनिरीक्षक दीपक कुमार एच एम सुधीर सिंह जादौन की गठित टीम द्वारा आदेशित वाहनों की नीलामी की गई सभी वाहनों का कुल आधार मूल्य 92900 रुपये निर्धारित किया गया था।

नीलामी की बोली 92900 रुपये से शुरू की गई अंत मे सभी वाहन 1,10000 रुपए की अधिकतम बोली पर अवनीश कुमार पुत्र पीतांबर सिंह निवासी मौजमपुर जैथरा थाना धामपुर जनपद बिजनौर के पक्ष में नीलम हुए। वही इस नीलामी से थाना नगीना में जगह घेर रहे वाहनों से मुक्ति मिली।

कांग्रेस की बैठक में जमील का जोरदार स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

ब्लॉक कार्यालय सफियाबाद रोड बहादुरपुर सफियाबाद स्योहारा कांग्रेस की मासिक मीटिंग आयोजित हुई। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आवाहन पर जिलाध्यक्ष अध्यक्ष श्रीमति हेनरीता राजीब सिंह के निर्देश पर मीटिंग का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्ययता नगर अध्यक्ष अहसन जमील साहब ने की और संचालन ब्लॉक अध्यक्ष हरि सिंह सागर ने किया। काग्रेस संगठन सर्जन अभियान को ग्राम- ग्राम जाकर श्री राहुल गांधी जी हाथ मजबूत और कांग्रेस पाटी संगठन को मजबूत करने का निर्णय लिए गया है।

इस मोके पर बेहद मिलनसार स्वभाव के स्योहारा नगर अध्यक्ष अहसन जमील का जोरदार स्वागत किया गया।

इस कार्यक्रम मे उमड़ी भीड़ ने राशिद अहमद जिला सचिव व ब्लॉक बुढनपुर के प्रभारी, न्याय पंचायत अध्यक्ष असफाक अहमद, मण्डल अध्यक्ष डाक्टर अफजाल अहमद ब्लॉक मण्डल अध्यक्ष नौवत सिंह मण्डल अध्यक्ष फरीद अहमद, ब्लॉक सचिव रामकुमार, न्याय पंचायत अध्यक्ष नाजिम अंसारी ब्लॉक कार्यालय सचिव नईम अहमद, ब्लॉक सचिव युनुस अहमद न्याय पंचायत अध्यक्ष इलियास अहमद ,रहीस अहमद नगर मण्डल अध्यक्ष, शहाबुद्दीन नगर मण्डल अध्यक्ष इकबाल अहमद शाह आलम नगर सचिव, आलम अहमद ,नगर मण्डल अध्यक्ष, ब्बलू अहमद नगर मण्डल अध्यक्ष, लताफत हुसैन मण्डल अध्यक्ष, अनीस अहमद, इरशाद अहमद, राशिद अहमद , असिफ, शाकिर अहमद सलीम अहमद तसलीम अहमद, कमल सिंह, रोहित सिंह, महेन्द्र सिंह नगर कार्यलय सचिव रमीज अहमद, तनवीर अहमद नगर सचिव, सलाहुद्दीन वार्ड अध्यक्ष रिजवान अहमय मोहल्ला अध्यक्ष नगर कांग्रेस कमेटी ब्लाक कांग्रेस कमेटी आदि ने नगर कांग्रेस अध्यक्ष अहसन जमील का फूल माला डाल कर जोरदार स्वागत किया। अहसन जमील ने कांग्रेस पार्टी को मजबूत कर ने की बात कही और राहुल जी के हाथ मजबूत करने की बात कही। राहुल जी के मिशन को आगे बढ़ाने की बात अहसन जमीर ने कही कांग्रेसियों मे हर्ष का माहोल है।

मुजफ्फरपुर नन्हेड़ा में जांच करने पहुंची टीम

एनसीआर टुडे. नहटौर। ग्राम पंचायत मुजफ्फरपुर नन्हेड़ा में विकास कार्यों की जांच करने के लिए पहुंची जांच टीम पर शिकायतकर्ताओं ने खानापूर्ति करने का आरोप लगाया। वही, टीम ने शिकायत के बिंदुओं पर जांच कर अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही है।शिकायतकर्ता शहजाद अहमद, इरफान अहमद, फिरोज अहमद, रईस अहमद, सलमान अहमद आदि ने वर्तमान ग्राम प्रधान पर पंचायत के कार्यों में धांधली करने सहित कई बिंदुओं पर जांच की मांग की थी। जिलाधिकारी के आदेश पर जांच समिति का गठन किया गया था।गुरुवार को जांच करने जिला समाज अधिकारी जागेश कुमार के नेतृत्व में जेई लघु सिंचाई देवेंद्र कुमार जांच करने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने शिकायतो की बिंदुवार जांच की और जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही। वहीं शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया की जांच अधिकारी द्वारा उनकी शिकायत तो की जांच गंभीरता पूर्वक नहीं की गई है। जांच अधिकारी ने शिकायतकर्ताओ के आरोपो को गलत बताते हुए कहा कि नियमानुसार जांच की गई है। जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को प्रेषित की जाएगी।

गणेश पूजन के अंतिम दिनों में बड़ी संख्या में जुट रहे श्रद्धालु

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

सैनी धर्मशाला के पंडाल में स्थापित किये गए भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना के लिए आठवें दिन भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे रहे। पूजा आरती के बाद प्रतिदिन की भांति सभी श्रद्धालुओं ने पंडाल में प्रशाद ग्रहण किया।

नगर में गणपति पूजन के मो लाल सराय स्थिति सैनी धर्मशाला पंडाल में स्थापित की गई भगवान श्री गणेश की मूर्ति की पूजा अर्चना के लिए आठवें दिन भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे रहे। पंडाल में महिलाओं द्वारा गए गए भजनो से सभी श्रद्धालुओं को झूमने व नाचने पर मजबूर कर दिया। पंडाल में श्रद्धालुओं की भीड़ का आलम यह रहा कि पंडाल में पैर रखने की जगह तक नहीं थी। गणपति पप्पा जी की पूजा आरती के बाद प्रतिदिन की भांति श्रद्धालुओं ने भोग लगाने के बाद प्रसाद ग्रहण किया।

अंकित सैनी, गौरव सैनी, कवि सैनी, अनमोल सैनी, शिवम, लक्की सैनी, अक्की सैनी, जोंटी सैनी, आर्यन सैनी,अक्षय सैनी, तरुण सैनी, हर्ष सैनी, सौरव सैनी, साक्षी सैनी, चांदनी सैनी, नैना सैनी, टीना सैनी, आकांशा सैनी, सलोनी सैनी, बलराज सैनी, सोहन सैनी, धर्मपाल सिंह सैनी, लवली चौहान, रानी देवी, महक रानी, मुस्कान, नीतीश कुमार, लकी कुमार, संजय चंद्रा उर्फ बालाजी, समेत सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ईद-मिलादुन्नबी पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई, नगर में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन की खुशी में शुक्रवार को नगर में ईद-मिलादुन्नबी बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और शानो-शौकत के साथ मनाई गई।

मुस्लिम समाज के सैकड़ो लोगों ने इस जश्न में बढ़-चढ़कर भाग लिया धर्मगुरुओं की अगुवाई में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया, जो नगर की गलियों और मुख्य मार्गों से होते हुए आगे बढ़ा। जगह-जगह स्वागत पंडाल सजाए गए और फूल बरसाकर पैगंबर की आमद की खुशी व्यक्त की गई।

नगर भर ईद-मिलादुन्नबी मुबारक और पैगंबर-ए-इस्लाम जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। जुलूस के दौरान नातख्वानी और सलाम से वातावरण गूंजता रहा। बच्चे हरे झंडे और ताज पहनकर शामिल हुए, वहीं युवाओं ने नाते पेश कर माहौल को और भी रोशन किया।

जश्न में मुफ्ती अफजल, मौलाना फरमान रजा, मोहम्मद कफील, शाहवेज अहमद, अमीर हुसैन, फाजिल, यासीन, अनवर, परवेज अहमद, आसिफ, मोहम्मद उस्मान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।जुलूस-ए-मोहम्मदी अमन, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देता हुआ संपन्न हुआ।

दुर्गा विहार श्री गणपति हुए विराजमान-वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई पूजा

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

श्री दुर्गा विहार कॉलोनी में गणेश महोत्सव के अंतर्गत पूजा अर्चना कर सुख शांति समृद्धि की कामना की गई। पूजन कार्यक्रम के मुख्य यजमान रविकांत से पत्नी के रहे।

शुक्रवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन हुआ। इस अवसर पर सभासद अनिल चौधरी, राजकुमारी, बलजीत सिंह, सुशील, गीतांजलि, मनोज शर्मा, सुभाष चौहान, बृजपाल फौजी, दिनेश सिंह बबलू, अरुण शर्मा, पूनम आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्री आदर्श रामलीला कमेटी का किया गया विस्तार : रंजीत जोशी बने अध्यक्ष

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

श्री आदर्श रामलीला कमेटी का तत्वाधान में पंचायती मंदिर परिसर में गुरुवार की रात को कमेटी का विश्तारीकरण किया गया। जिसमें 2025 का रामलीला कमेटी का सर्व समिति से रंजीत जोशी को अध्यक्ष व आदेश चंद्र, तेजपाल सैनी को महासचिव चुना गया।

आयोजित बैठक में वर्ष 2024 का लेखा-जोखा प्रश्तुत किया गया। बैठक में सभी सदस्यों ने लेखा जोखा पर सहमति जताई। उसके उपरांत नई कार्यकारिणी का गठन किया गया डॉ सुशील शर्मा, कपिल शर्मा, राकेश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल संरक्षक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मास्टर सुमित शर्मा, अरविंद जोशी, महासचिव आदेश चंद्र, तेजपाल सैनी, कोषाध्यक्ष संजू सैनी, संगठन मंत्री अंकुश अग्रवाल, महावीर सैनी, कृष्ण वर्मा को बनाया गया है।

इसके अलावा 25 लोगों को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया है बैठक में श्री आदर्श रामलीला के लिए अभिजीत होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है जिसमें कमेटी के महासचिव आदेश चंद्र ने बताया कि 21 सितंबर 2025 को झंडा झंलूस शाम 4:00 बजे, 22 सितंबर 2025 को मंचन प्रोजेक्टर के माध्यम से, 24 सितंबर 2025 को भगवान श्री राम की राम बारात, 2 अक्टूबर 2025 को जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में दशहरा का मेला, 4 अक्टूबर 2025 को भरत मिलाप शोभायात्रा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मोहित शर्मा रोहित सैनी तिलक सैनी रिंकू शर्मा कपिल जोशी मोनू शर्मा नरेंद्र चैनवाल सावन सूद आदि उपस्थित रहे।

एटीएम से रुपए निकालने गई छात्रा को लगा करंट, बुरी तरह झुलसी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना क्वार्सी क्षेत्र के नौरंगाबाद में एक्सिस बैंक के एटीएम से रुपए निकालने पहुंची छात्रा अचानक करंट लगने से झुलस गई। घटना गुरुवार रात की बताई जा रही है। हादसे के बाद छात्रा को आनन-फानन में परिजन जिला अस्पताल मलखान सिंह लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे भर्ती कर लिया।

जानकारी के अनुसार पीड़ित छात्रा का नाम रतन गौतम है। वह गांधीपार्क थाना इलाके के अंबेडकर नगर, राठी नगर की रहने वाली है। हाल ही में उसने वार्ष्णेय कॉलेज से बीएससी पास की है और फिलहाल मास्टर की तैयारी कर रही है। गुरुवार रात वह अपनी बड़ी बहन के साथ किसी काम से पैसे निकालने एटीएम गई थी।

पीड़ति की बहन ने बताया कि जैसे ही रतन गौतम ने रुपए निकालने की कोशिश की, अचानक उसे तेज करंट लगा और वह जमीन पर गिर गई। करंट लगने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई। शोर सुनकर आसपास के लोग एटीएम के बाहर जमा हो गए। घबराए परिजनों और लोगों ने तुरंत उसे जिला अस्पताल पहुंचाया।

पीड़ति की बहन ने आरोप लगाया कि यह हादसा बैंक की बड़ी लापरवाही के कारण हुआ है। उनका कहना है कि नियम के अनुसार हर एटीएम पर वॉचमैन तैनात होना चाहिए, लेकिन नौरंगाबाद वाले इस एटीएम पर कभी गार्ड मौजूद नहीं रहता। लोगों ने भी इसकी पुष्टि की कि वहां अक्सर सुरक्षा कर्मी नहीं मिलते। इससे साफ है कि एटीएम की सुरक्षा और तकनीकी खामियों की ठीक से निगरानी नहीं हो रही थी।

जिला अस्पताल के ईएमओ डॉक्टर रितेश सिनसिनवार ने बताया कि देर रात रतन गौतम को परिजन अस्पताल लेकर आए थे। उसे इलेक्ट्रिक शॉक लगा था। प्राथमिक उपचार के बाद उसे भर्ती कर लिया गया है। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी संबंधित थाना पुलिस को भेज दी गई है। एटीएम में हुए इस हादसे से इलाके में खलबली मच गई है। लोग दहशत में हैं कि अगर वहां तकनीकी खामियां हैं तो किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने बैंक प्रशासन से एटीएम की तुरंत जांच कराने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। क्वार्सी थाना पुलिस ने मामले की पुष्टि की है और बताया कि अस्पताल से सूचना मिलने के बाद पुलिस जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल छात्रा खतरे से बाहर है, घटना के बाद एटीएम की भी जांच कराई जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

भाकपा ने शिक्षक दिवस मनाया

एनसीआर टुडे. अलीढ़। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी व उत्तर प्रदेश शिक्षक संध ने एएमयू के एनीमल सेट्रल के पीछे राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाया, जिसकी अध्यक्षता एन,आर,आर,सी कालिज की प्रवक्क्ता बंदना कुलश्रेष्ट ने किया तथा संचालन इकबाल मंद ने किया। उपस्थित लोगो ने शिक्षक दिवस पर अपने विचार प्रकट किए।

राजवीर सिंह ने कहा कि भारत में हर साल 5 सितंबर को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक विशेष अवसर है।

यह दिन भारत के प्रथम उप-राष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता।

यह दिन शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक विशेष अवसर है। यह दिन भारत के प्रथम उप-राष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

हरीश चंद लोधी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षक दिवस की शुरुआत 1962 में हुई। प्रख्यात शिक्षाविद्, दार्शनिक और विद्वान डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन जिनका जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरुत्तनी में हुआ था। जिनके जन्म दिन पर हर साल मनाया जाता है।

इंसान की मदद करना सबसे बड़ी इबादत है : मोहम्मद राशिद चौधरी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

हर साल की तरह अंजुमन गुलामाने मुश्तफा सुसाइटी के नेतृत्व में सूबेदार वाली मस्जिद ब अन्य मस्जिदों सेजुलूसे मोहम्मदी जश्ने ईद मिलादुन नबी के अवसर पर परंपरागत मार्गो से निकाला गया। गुलामने मुश्तफा सोसाइटी के महा सचिव व प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी मोहम्मद इरशाद ने कहा हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की विलादत ब बफ़ात के 1500 बर्ष पूरे होने पर अंजुमनशगुलामने मुश्तफा सुसाइटी के पदाधिकारी ने पौधे लगाए अज़ीज़ाना गुजारिश कि अपने घरों में मस्जिद में या स्कूल मदारिस में पेड़ या पौधा लगाना चाहिए।

हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम कि हदीस हैं हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहुअलेही वसल्लम ने इरशाद फरमाया जब तक इंसान या जानवर पेड़ या पौधे से फायदा लेते रहेंगे तब तक आपको शबाब मिलता रहेगा और अपने शहर अलीगढ़ को स्वच्छ बनाएं साफ सफाई का ख्याल रखें सफाई इनाम की अलामत है और ब्लड डोनेट करें। अंजुमन सुसाइटी के अध्यक्ष मोहम्मद राशिद चौधरी ने कहा हमें गरीबों मिस्किनो लाचारों की मदद करनी चाहिए भूखों को खाना खिलाना प्रयासों को पानी पिलाना चाहिए इंसान की मदद करना सबसे बड़ी इबादत है सभी मस्जिद के मुफ्ति ब हाफिज आलिमों ने अपने-अपने विचार रखें। इस दौरान मोहम्मद इरशाद महासचिव, मोहम्मद राशिद चौधरी अध्यक्ष अंजुमन गुलमाने ने मुश्तफा, जफर आलम जलालवी उपाध्यक्ष अंजुमन मुश्तफा, मोहम्मद असलम कोषाध्यक्ष अंजुमन, मौलाना कारी जलीस साहब, मौलाना व अन्य कई लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

विश्व दादा दादी दिवस: बुजुर्ग परिवार के बरगद पीपल की भांति

2021 में, पोप फ्रांसिस ने दादा-दादी और बुजुर्गों के लिए विश्व दिवस के रूप में विश्वव्यापी उत्सव की स्थापना की। दरअसल वह इस बात पर प्रकाश डालना चाहते थे कि बुजुर्ग हमारी दुनिया के लिए एक महान उपहार हैं, और हर पीढ़ी के पास देने के लिए कुछ न कुछ है।

इस साल हमारे दादा-दादी और बुजुर्गों को याद करने के लिए निर्धारित इस दिन की चौथी वर्षगांठ होगी।हमारे दादा-दादी हमारे जीवन में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। वे हमारे परिवार के शीर्ष पर हैं। वे हमें मार्गदर्शन और ज्ञान प्रदान करते हैं, और हममें से बहुतों के पास अपने दादा-दादी के साथ सोते समय की कहानियों और पारिवारिक अवसरों की प्यारी प्यारी यादें हैं। दादा-दादी दिवस हमें अपनी दादी और दादाओं का सम्मान करने का सही अवसर प्रदान करता है।

दादा-दादी दिवस एक ऐसा दिन है जो परिवार के भीतर छोटे लोगों की शिक्षा और कल्याण के मामले में हमारे दादा-दादी द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान का जश्न मनाने और उसे स्वीकार करने के लिए समर्पित है। यह हम सभी के लिए बुजुर्गों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता दिखाने, अपने दादा- दादी का सम्मान करने का एक आदर्श दिन है - वे जो कुछ भी करते हैं और जिसके लिए वे खड़े हैं।यह सुनिश्चित करना बहुत महत्वपूर्ण है कि हम इस तिथि को स्वीकार करें।

दादा-दादी दिवस बच्चों के लिए यह जानने का एक बेहतरीन अवसर है कि दादा-दादी किस तरह से उनकी शिक्षा और भावनात्मक विकास को प्रभावित करते हैं। यह लोगों के लिए पुरानी पीढ़ियों से मिले मार्गदर्शन पर विचार करने और इसके लिए अपनी प्रशंसा दिखाने का एक बढ़िया समय है। इस तथ्य पर विचार करना भी महत्वपूर्ण है कि दादा-दादी जब बड़े हो जाते हैं, तो उन्हें अकेलापन महसूस हो सकता है, खासकर जब वे अकेले रहते हैं।

यही कारण है कि अपने दादा-दादी को यह बताना महत्वपूर्ण है कि उन्हें कितना प्यार और सराहना मिलती है। बस अपने दादा-दादी से समय-समय पर यह सुनिश्चित करने के लिए संपर्क करना कि वे ठीक हैं, बहुत बड़ा अंतर लाने वाला है। हम जानते हैं कि जब भी कई विचार दिए गए हैं। इसमें युवा अपने दादा-दादी की विरासत और इतिहास के बारे में सीखना या परिवार की परंपरा शामिल है।

परिवार अपने बुजुर्ग रिश्तेदारों की कहानियाँ सुनने के लिए एक साथ समय बिता सकते हैं और युवा नर्सिंग होम में बुजुर्गों के साथ दिन का कुछ हिस्सा बिताने के लिए स्वेच्छा से आगे आ सकते हैं। आप अपने दादा-दादी को ग्रैंडपैरेंट्स डे पर खास महसूस कराने का प्रयास भी कर सकते हैं। क्यों न उन्हें फूलों का प्यारा गुलदस्ता देकर सरप्राइज दें? आखिर फूल किसे पसंद नहीं होते? किसी के लिए खूबसूरत फूलों की सजावट खरीदकर आप गलत नहीं हो सकते।

दरवाज़ा खोलते ही फूलों का एक बड़ा गुलदश्ता आपका इंतज़ार करता हुआ देखने से बेहतर कोई एहसास नहीं हो सकता। आप ताज़े फूलों की जगह कृत्रिम फूलों पर विचार कर सकते हैं क्योंकि जब आप कृत्रिम फूलों का विकल्प चुनते हैं तो आप किसी को ऐसा तोहफ़ा दे रहे होते हैं जो उनके लिए जीवन भर चलने वाला है। हर बार जब वे फूलों को देखेंगे, तो उन्हें आपकी और उनके तोहफ़े में छिपी हुई सोच की याद आएगी। ताज़े फूल एक या दो हफ़्ते में कूड़ेदान में चले जाएँगे।

इसके अलावा, जब आप कृत्रिम फूल खरीदते हैं, तो आप कभी भी मौसम के हिसाब से सीमित नहीं होते। इसका मतलब है कि आप अपने दादा-दादी के लिए कोई भी फूल खरीद सकते हैं जो वे चाहें। यह खास तौर पर तब फ़ायदेमंद होता है जब आपको पता हो कि उनका कोई पसंदीदा फूल है या कोई ऐसा फूल है जिसे आप खरीदना चाहते हैं क्योंकि उसका कोई खास मतलब होता है।

उदाहरण के लिए, क्या आप जानते हैं कि लिली प्यार और भक्ति का प्रतीक है? ये दो शब्द निश्चित रूप से हमारे दादा- दादी का सार प्रश्तुत करते हैं!कहने की ज़रूरत नहीं है कि अपने दादा-दादी को खुश करने और उन्हें सराहना का एहसास दिलाने के लिए आपको बहुत ज़्यादा पैसे खर्च करने की ज़रूरत नहीं है।

क्यों न आप उनके लिए एक कार्ड बनाएँ और उसके अंदर एक प्यारा, दिल को छू लेने वाला संदेश लिखें? आप अपनी खुद की कविता भी बना सकते हैं। यह मायने नहीं रखता कि यह कितनी अच्छी है; मायने यह रखता है कि आपने अपने दादा-दादी को खास महसूस कराने के लिए कितनी मेहनत की है।

ऐसे कई अन्य तरीके भी हैं जिनसे आप इस तिथि पर अपने दादा-दादी को विशेष महसूस करा सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप एक शानदार लंच के लिए बाहर जा सकते हैं या आप दोपहर की चाय का आनंद ले सकते हैं। केक, स्कोन और फिंगर सैंडविच किसे पसंद नहीं होते? 'यह एक ऐसा दिन है जब हम अपने परिवार, पड़ोस और समुदायों में योगदान के लिए दादा-दादी और दादा-दादी के दोश्तों का सम्मान करते हैं।' यह सभी उम्र के लोगों को यह याद दिलाने का भी समय है कि वे किसी और के साथ या किसी और पीढ़ी के लिए कुछ शानदार कर सकते हैं।

सभी उम्र और जीवन के चरणों में लोगों के पास हमारी दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने में योगदान देने के लिए कुछ मूल्यवान और मूल्यवान है। 'दादा-दादी दिवस की आधिकारिक घोषणा में कहा गया है कि इस अवकाश का उपयोग 'दादा-दादी का सम्मान करने, दादा-दादी को अपने बच्चों के बच्चों के प्रति प्यार दिखाने का अवसर देने और बच्चों को वृद्ध लोगों द्वारा दी जाने वाली शक्ति, जानकारी और मार्गदर्शन के बारे में जागरूक करने में मदद करने के लिए किया जाता है।'

विभाजन की सिसकियां खारिज करने का कारण

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारत विभाजन को लेकर दो प्रकार की पुस्तकें लिखी गई हैं। पहली श्रेणी में साहित्य की पुस्तकें हैं। उपन्यास, कहानियां, कविता या अन्य विधाओं में लिखी किताबें। इनमें यकीनन विभाजन के कारणों को लेकर साहित्यकार की अपनी दृष्टि ही प्रमुख रही है। इस प्रकार के साहित्यकारों में हिंदी भाषा में तीन उपन्यासकारों का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

यशपाल, भीष्म साहनी और वैद्य गुरुदत्त। यशपाल का झूठा सच, भीष्म साहनी का तमस और वैद्य गुरुदत्त का 'देश की हत्या' नामक उपन्यास हिंदी साहित्य की निधि हैं। पंजाबी में अमृता प्रीतम ने अपनी एक ही रचना 'अज आंखां वारिस शाह नूं' लिख कर विभाजन की टीस को रेखांकित कर दिया।

विभाजन विभीषिका को लेकर दूसरी प्रकार की किताबें समाज विज्ञान की श्रेणी में रखी जा सकती हैं। उन किताबों में विभाजन के कारण की मीमांसा प्रमुख है, विभीषिका कम है। समाज विज्ञान के पंडित शायद विभीषिका को रेखांकित करने से जानबूझ कर बचते रहे हैं। उस समय की सरकार की यह नीति का हिस्सा भी हो सकता है। सरकार दरअसल विभीषिका की चर्चा करने से बचती थी। यदि विभीषिका की चर्चा होती तो यकीनन समाज विज्ञान के पंडितों को उसकी जिम्मेदारी भी तय करनी पड़ती।

यह जिम्मेदारी कम से कम तीन पक्षों के खाते में तो सीधे-सीधे आती थी। मुस्लिम लीग। मुस्लिम लीग को यह जिम्मेदारी लेने में दिक्कत भी नहीं थी। पाकिस्तान में उसको इसका परोक्ष रूप से लाभ ही होता। आखिर कितनी पार्टियां हैं, जो विश्व की प्राचीनतम सभ्यता के एक भौगोलिक क्षेत्र को विभाजित कर एक नया देश बना सकती हैं? मुस्लिम लीग को यदि यह श्रेय मिलता है तो यह तो उसके लिए मैडल ही माना जाएगा।

दूसरे स्थान पर विभाजन विभीषिका की जिम्मेदारी ब्रिटिश सरकार के खाते में पड़ती है। लेकिन ब्रिटिश सरकार इस पर गौरव कर सकती है। दो सौ साल राज करने के बाद भी अपने साम्राज्यवादी हितों के लिए भारत को विभाजित करने में सफलता प्राप्त की।

मजहब यूरोपीय देशों में राज्य या देश की नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन भारत में मजहब सदा व्यक्तिगत विषय होता था। उससे राज्य का कुछ लेना-देना नहीं था। ब्रिटिश नीतिकारों ने मजहब को पहचान का प्राथमिक आधार बना कर देश में लंबवत दरारें पैदा कर दीं और देश को ही विभाजित कर दिया। इस पर ब्रिटेन गर्व कर सकता था।

विभाजन में तीसरी हिस्सेदारी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की है जिसने पंद्रह अगशत 1947 से पहले विभाजन के पक्ष में बाकायदा प्रश्ताव पारित कर मुस्लिम लीग और ब्रिटिश सरकार की नीति का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि उसमें सहायता भी की। लेकिन कांग्रेस की जिम्मेदारी केवल भारत विभाजन का प्रश्ताव पास करने से ही समाप्त हो जाती।

इस प्रस्ताव के पास हो जाने से दो राश्ते खुले थे। पहला राश्ता था भारत के, खासकर बंगाल और सप्त सिंधु/पंजाब के विभाजित होने का और दूसरा राश्ता था बचे हुए भारत की सत्ता पर कांग्रेस के अधिकार का। विभाजन केवल दो हिस्सों का हुआ था। बंगाल का और सप्त सिंधु/पंजाब क्षेत्र का।

पूरे देश का विभाजन नहीं हुआ था। विभाजन के बाद इन दो क्षेत्रों में क्या परिणाम निकलेंगे, क्या इसका अंदाजा कांग्रेस को नहीं था? क्या कांग्रेस यह मान रही थी कि नक्शे पर नई रेखा खिंच जाएगी, एक देश के दो देश बन जाएंगे, लेकिन लोग अपने-अपने स्थानों पर ही बैठे रहेंगे? यदि विभाजन के परिणाम

का अंदाजा कांग्रेस को नहीं था तो जाहिर है कि कांग्रेस कम से कम राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहलवाने की हकदार नहीं थी। वह केवल कुछ अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त लोगों का क्लब मात्र था, जो भारत के लोगों की जमीनी सच्चाइयों से कटा हुआ था।

लेकिन यहां एक दूसरा प्रश्न भी खड़ा होता है। विभाजन से पूर्व ही विभाजन उपरांत होने वाली विभीषिका के संकेत मिलने भी शुरू हो गए थे। बंगाल में मुस्लिम लीग द्वारा किया गया डायरेक्ट एक्शन इसका संकेत था। इस एक्शन में हजारों हिंदू मारे गए थे। नोआखली के दंगे भी इसका ही संकेत था।

इन दंगों के तो महात्मा गांधी प्रत्यक्षदर्शी थे। 15 अगशत 1947 से पहले पंजाब में मुस्लिम लीग की सरकार नहीं थी, क्योंकि चुनावों में फंसे बहुमत नहीं मिला था। पंजाब में सरकार कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी और अकाली दल की थी। इस सरकार को गिराने के लिए लाहौर समेत पूरे पंजाब में जो तांडव हिंदू-सिख के खिलाफ मुस्लिम लीग ने बाकायदा घोषणा करके किया था, उसे तो कांग्रेस देख ही नहीं रही थी, बल्कि उसकी भुक्तभोगी थी।

उसके बावजूद विभाजन के बाद की त्रासदी को टालने के लिए उसने विभाजन से पहले ही शांतिपूर्ण तरीके से जनसंख्या की अदला-बदली की व्यवस्था क्यों नहीं की? शायद अंबेडकर ने इसीलिए इस कांग्रेस के बारे में सही कहा था कि कांग्रेस देश के लिए नहीं लड़ रही थी बल्कि ब्रिटिश सरकार से सत्ता के लिए सौदेबाजी कर रही है। इस सौदेबाजी की जल्दी में उसने विभाजन के बाद की विभीषिका की चिंता नहीं की। विभाजन से पूर्व जनसंख्या की अदला बदली का सुझाव अंबेडकर और भाई परमानंद ने दिया भी था। लेकिन इससे नेहरु की सेक्युलरिजम की अवधारणा खंडित होती थी। कांग्रेस की इस सौदेबाजी में दस लाख लोगों ने बंगाल और सप्त सिंधु/पंजाब क्षेत्र में अपनी जान गंवाई।

कितने विस्थापित हुए, इसकी चर्चा सरकार नहीं करती थी। इससे भी बड़ी बात थी कि इतनी बड़ी त्रासदी का पूरे देश के लोगों को पता भी नहीं था। दक्षिण भारत के लोग इसे नहीं जानते थे। पश्चिम और पूर्वी भारत में भी असम को छोडक़र बाकी स्थानों पर इस त्रासदी के बारे में छिटपुट खबरों के अलावा सन्नाटा था।

इसलिए कांग्रेस सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता इस त्रासदी को किसी भी तरीके से ढकने की हो गई। यदि यह त्रासदी आधुनिक भारतीय इतिहास में दर्ज हो जाती, तो समाज विज्ञान के विद्वान इसकी चीरफाड़ और विश्लेषण करते। जाहिर है इस विश्लेषण से सहज ही कांग्रेस और मुस्लिम लीग पकड़ में आ जाते। लेकिन 1947 में भारत में बची मुस्लिम लीग अपनी आगामी योजना के तहत मोटे रूप में कंग्रेस में ही शामिल हो गई थी। सरदार पटेल ने इसके संकेत भी दिए और किसी शतर पर इसका विरोध भी किया।

परंतु जवाहर लाल नेहरु मुस्लिम लीग के कांग्रेस में समा जाने को ही सेक्युलरिजम का सर्वोत्तम उदाहरण मान रहे थे। अब यदि विभाजन के बाद बंगाल व पंजाब में हुई विभीषिका पाठ्यक्रमों का हिस्सा बनती तो कांग्रेस कटघरे में दिखाई देती। भारत सरकार सात दशकों बाद जागी है। अब नए सिरे से विभाजन विभीषिका पर चर्चा होने लगी है। इस संबंध में विभाजित क्षेत्रों से पलायन कर आए लोगों से साक्षात्कार किए जा रहे हैं। उनसे उस समय की हालत के बारे में जानकारियां हासिल की जा रही हैं।

इतिहास के विद्यार्थियों के लिए ये प्राथमिक स्रोत हैं। लेकिन उस समय के भुक्तभोगी अब बहुत कम बचे हैं। फिर भी इतिहास को जितना संभाला जा सके, वही पूंजी है। यह भी तथ्य है कि महात्मा गांधी ने आजादी के बाद कांग्रेस को भंग कर देने का सुझाव दिया था।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार है)

उम्मीदों की चीप से हौसलों की उड़ान भरता भारत

ललित गर्ग

भारत ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए अपना पहला पूर्णतया स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर तैयार कर एक तकनीकी क्रांति को आकार दिया है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। भारत ने इस तकनीकी क्रांति की तरफ कदम बढ़ते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी तकनीकी की प्रगति को नये आयाम दिये हैं।

पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये इसरो की सेमीकंडक्टर लैब साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं, अब भारत को इस तरह की तकनीक के लिये विदेशों के पराधीन नहीं होना होगा।

इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दश्तक उत्साह जगाने वाली है, निश्चित ही इससे भारत की ताकत बढ़ेगी और तकनीक के साथ-साथ यह आर्थिक विकास को तीव्र गति देगा।

फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। विशेषतः भारत की यह जादूई उपलब्धि अमेरिका को आइना दिखाने वाली है, ट्रंप को यह एक बड़ा झटका है।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी।

हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चे पर सफलता के परचम फहरायेगा।

इस स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे "विक्रम" नाम दिया गया है। यह अंतरिक्ष-मानक माइक्रोप्रोसेसर है, जो मुख्यतः अंतरिक्ष अभियानों और रॉकेट प्रणालियों में प्रयोग के लिए तैयार किया गया है।

इसरो ने सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) चंडीगढ़ के साथ मिलकर दो स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विक्रम 3201 और कल्पना 3201 विकसित किए हैं। यह माइक्रोप्रोसेसर प्रक्षेपण यानों के नेविगेशन और नियंत्रण में मदद करेंगे।

विक्रम 3201 पूरी तरह भारत में बना पहला 32-बिट प्रोसेसर है। इस कदम से इसरो को विदेशी प्रोसेसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा जिससे अंतरिक्ष में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निश्चित ही इससे भारत ने महाशक्ति बनने की ओर अपनी गति को तीव्रता दी है, जिससे अमेरिका हिला और दुनिया भारत की ताकत से रू-ब-रू हो रही है।

अब तक भारत को अनेक जटिल अंतरिक्ष अभियानों के संचालन हेतु विदेशी सूक्ष्म-प्रक्रमकों और अर्धचालक पट्टिकाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। यह विदेशी निर्भरता न केवल आर्थिक दृष्टि से बोझिल थी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी चुनौतीपूर्ण थी।

"विक्रम" माइक्रोप्रोसेसर के निर्माण से भारत ने इस निर्भरता की बेड़ियों को तोड़ा है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाया है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी।

प्रधानमंत्री मोदी इसके लिये निरन्तर प्रयासरत है। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है।

यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं भारत को ऐसे ही विकास के नये शिखरों पर आरोहण कराने का सशक्त माध्यम बन रही है।

निश्चित रूप से मोदी सरकार के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मश्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वेदशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी।

जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा, भारत तकनीकी विकास के नये आयाम उद्घाटित करते हुए विश्व को अचंभित भी करेगा।

निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बना सकते हैं।

32-बिट क्षमता का अर्थ है कि यह माइक्रोप्रोसेसर अधिक व्यापक स्मृति का उपयोग कर सकता है और जटिल संगणकीय कार्यों को तीव्र गति से संपन्न कर सकता है। अंतरिक्ष अभियानों में जहाँ प्रत्येक क्षण और प्रत्येक संकेत का महत्व होता है, वहाँ इस प्रकार की क्षमता अत्यंत आवश्यक है।

यह केवल गति और कार्यकुशलता नहीं देता बल्कि विकिरण-सहनशीलता और दीर्घकालीन स्थिरता जैसे गुण भी समाहित करता है। अंतरिक्ष में प्रबल विकिरण, तापमान का उतार-चढ़ाव और कठोर परिस्थितियाँ होती हैं, जिनका सामना सामान्य माइक्रोप्रोसेसर नहीं कर सकते। इसलिए इस प्रकार का अंतरिक्ष-योग्य माइक्रोप्रोसेसर ही मिशनों की सफलता का आधार बन सकता है।

इस उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके लिए आवश्यक रूपांकन, निर्माण और परीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया भारत में ही सम्पन्न की गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत अब केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं बल्कि उसका सर्जक भी है। सूक्ष्म-संगणक की यह अभिकल्पना केवल एक चिप का निर्माण नहीं है, यह भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा, उसकी दूरदृष्टि और आत्मविश्वास का परिचायक है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विश्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है।

इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि भारत के विभिन्न प्रौद्योगिकी संस्थान पहले ही "शक्ति" और "वेगा" जैसे स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर पर काम कर चुके हैं। इन प्रयासों ने आधारभूमि तैयार की और आज "विक्रम" के रूप में वह प्रयास मूर्त रूप में सामने आया है। यह न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि रक्षा, चिकित्सा उपकरणों और संचार प्रणाली में भी क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है। निश्चित ही चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं।

बड़े पैमाने पर उत्पादन, उपकरण-समूह की उपलब्धता, संगणक-कार्यक्रमों का विकास, अनुप्रयोग-तंत्र का विश्तार और अंतरराष्ट्रीय शतर पर प्रमाणन जैसी प्रक्रियाएँ अभी पूरी करनी होंगी।

किंतु भारत ने जिस आत्मविश्वास के साथ इस दिशा में पहला कदम रखा है, वह आश्वश्त करता है कि भविष्य में हम और भी उन्नत सूक्ष्म-प्रक्रमक तैयार करने में सक्षम होंगे।

"विक्रम" केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है, यह भारत की स्वाभिमानी यात्रा का घोष है। यह घोषणा है कि अब भारत केवल विज्ञान का अनुयायी नहीं बल्कि विज्ञान का निर्माता और मार्गदर्शक बनने की ओर अग्रसर है। आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना अब शब्दों में नहीं, ठोस उपलब्धियों में आकार ले रही है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है)

लगातार अनिश्चित हो रही विधेयकों के अनुमोदन की समय-सीमाएं

के रवींद्रन

इस अनिश्चितता के व्यावहारिक परिणाम दूरगामी हैं। यदि 8 अप्रैल का फैसला बरकरार रहता है, तो राज्यपालों और राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिससे पूर्वानुमानितता पैदा होगी और विधायी प्रक्रियाओं में तेजी आएगी। फिर भी, ऐसा करने से, यह उस विचार-विमर्श की गुंजाइश को भी कम कर देता है।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की दो-न्यायाधीशों वाली पीठ द्वारा राज्यपालों और राष्ट्रपति को उनके पास भेजे गए विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए निर्धारित तीन महीने की समय-सीमा, जिसकी अब मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संवैधानिक पीठ द्वारा पुनर्परीक्षा की जा रही है, लगातार अनिश्चित होती जा रही है। यह मामला, जो मूल निर्णय के समय सुलझा हुआ प्रतीत हो सकता था, अब नाजुक होता जा रहा है क्योंकि राष्ट्रपति के संदर्भ की सुनवाई के माध्यम से व्यापक संवैधानिक सिद्धांत सामने आ रहे हैं।

दो-न्यायाधीशों के निर्णय की स्थिरता अनिश्चित प्रतीत होती है, न केवल बड़ी पीठ के संदेह के कारण, बल्कि अप्रैल के निर्णय में निहित अस्पष्टताओं के कारण भी, जो अनपेक्षित परिणामों के द्वार खुले छोड़ देती हैं। दांव पर केवल विधायी प्रक्रियाओं की दक्षता ही नहीं, बल्कि संवैधानिक पाठ, न्यायिक रचनात्मकता और अनजाने में नए संवैधानिक मानदंडों के निर्माण के जोखिमों के बीच संतुलन भी है। शुरू से ही, 8 अप्रैल के इस फैसले की कुछ हलकों में राज्यपालों द्वारा राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोके रखने की लगातार शिकायतों के समाधान के रूप में सराहना की गई। राज्यपालों और राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर निर्णय लेने के लिए अनिवार्य करने वाले इस आदेश को जवाबदेही बढ़ाने और कार्यपालिका की मनमानी को रोकने के रूप में देखा गया।

हालांकि, इसका उद्देश्य लोकतांत्रिक सिद्धांतों के अनुरूप प्रतीत होता था, लेकिन इसमें अपनाई गई विधि, जो संविधान में स्पष्ट रूप से उल्लिखित नहीं, एक कठोर समय-सीमा लागू करना—समस्याओं से भरी थी।

अब राष्ट्रपति के संदर्भ पर विचार कर रही बड़ी पीठ ने पहले ही इस तनाव को चिह्नित कर दिया है और आगाह किया है कि समय-सीमा अनिवार्य करना वाश्तव में संविधान में संशोधन के समान हो सकता है। यह तर्क इस मूलभूत सिद्धांत पर आधारित है कि दश्तावेज़ के निर्माताओं ने, व्यापक बहस के बाद, संबंधित कार्यकारी प्राधिकारियों पर ऐसी सख्तियां लागू करने से जानबूझ कर परहेज़ किया था। इसके बजाय, उन्होंने दुरुपयोग को रोकने के लिए असाधारण मामलों में परंपराओं, राजनीतिक ज़िम्मेदारी और न्यायिक निगरानी पर भरोसा किया। एक निश्चित अवधि को संवैधानिक मौन मानने का प्रयास करके, दो-न्यायाधीशों की पीठ ने शायद एक ऐसी सीमा पार कर ली है जिसे नेकनीयत न्यायिक नवाचार भी उचित नहीं ठहरा सकते। बड़ी पीठ ने एक सूक्ष्म दृष्टिकोण व्यक्त किया है। यह असाधारण विलंब के मामलों में अदालतों के हश्तक्षेप की वैधता को स्वीकार करता है, जहां सहमति न देना या निर्षक्रियता स्पष्ट रूप से लोकतांत्रिक इच्छाशक्ति को नष्ट करती है।

ऐसा हश्तक्षेप उपचारात्मक है, जिसका उद्देश्य संवैधानिक विघटन के विशिष्ट उदाहरणों को संबोधित करना है। हालांकि, इस मामले में विशिष्ट उपाय को हर स्थिति में लागू होने वाले एक सार्वभौमिक नियम में परिवर्तित करने से वैचारिक कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं। इससे न्यायपालिका के लिए संवैधानिक व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से पुनर्लेखन करके एक विधायी कार्य संभालने का जोखिम पैदा होता है। पीठ की आशंका है कि ऐसा दृष्टिकोण संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय कमजोर कर सकता है, क्योंकि यह भविष्य में न्यायिक रूप से निर्धारित समय-सीमाओं को चुनौती देने वाले मुकदमों की संभावना को खुला छोड़ देता है, जिससे समाधान के बजाय अधिक अस्थिरता पैदा होती है।

8 अप्रैल के फैसले में न्यायिक समीक्षा के अपने व्यवहार में भी अस्पष्टताएं हैं। इसने सही ही पुष्टि की कि विधेयकों को लंबित रखने में राज्यपाल का आचरण न्यायिक जांच से परे नहीं है। यह कथन इस सिद्धांत के अनुरूप है कि कोई भी संवैधानिक पदाधिकारी जवाबदेही से मुक्त नहीं है, खासकर जब निष्क्रियता प्रतिनिधि लोकतंत्र को कमजोर करती है। फिर भी, यह निर्णय ऐसी समीक्षा के दायरे को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने में विफल रहा।

विशेष रूप से, यह स्पष्ट नहीं है कि क्या जांच केवल आचरण तक ही सीमित है—अर्थात विलंब तक—या क्या यह विधेयकों के सार को भी शामिल कर सकती है। निर्णय यह सुझाव देता प्रतीत होता है कि एक बार जब किसी विधेयक को निर्धारित अवधि बीत जाने के कारण स्वतः स्वीकृ ति मिल जाती है, तो राज्यपाल की पूर्व निष्क्रियता को अदालत में चुनौती दी जा सकती है।

लेकिन क्या इससे संबंधित विधेयकों की विषयवस्तु, आशय और संवैधानिक वैधता की भी जांच करने का राश्ता खुलता है? यदि बिना किसी ठोस समीक्षा के स्वतः स्वीकृति प्रदान कर दी जाती है, तो संभावना है कि संदिग्ध संवैधानिक योग्यता वाले विधेयक बिना किसी जांच के पारित हो सकते हैं। इसके विपरीत, यदि न्यायालय स्वयं विषयवस्तु की जांच में शामिल होते हैं, तो यह न्यायिक वीटो के समान हो सकता है, जो शक्तियों के पृथक्करण को कमजोर करता है।

इन विवादों को सुलझाने के लिए स्पष्ट संस्थागत राश्तों के अभाव से दुविधा और भी जटिल हो जाती है। संविधान में नियंत्रण और संतुलन की एक ऐसी व्यवस्था की परिकल्पना की गई है जहां राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में, राज्य के विधानों में संवैधानिक औचित्य की रक्षा में एक सीमित लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हालांकि, विधेयकों पर अनिश्चित काल तक रोक लगाकर इस पद का दुरुपयोग करने से यह सुरक्षा अवरोध का साधन बन गया है। इस असंतुलन को दूर करने की न्यायपालिका की प्रवृत्ति समझ में आती है, लेकिन एक कठोर ढांचा लागू करके, अप्रैल के फैसले ने एक और संतुलन- न्यायिक व्याख्या और संवैधानिक संशोधन के बीच की रेखा- को बिगाड़ने का प्रयास किया। वृहद पीठ की चिंता, सुविधावाद की आड़ में न्यायिक अतिक्रमण के खतरे को उजागर करती है।

इस अनिश्चितता के व्यावहारिक परिणाम दूरगामी हैं। यदि 8 अप्रैल का फैसला बरकरार रहता है, तो राज्यपालों और राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिससे पूर्वानुमानितता पैदा होगी और विधायी प्रक्रियाओं में तेजी आएगी।

फिर भी, ऐसा करने से, यह उस विचार-विमर्श की गुंजाइश को भी कम कर देता है जिसका संविधान निर्माताओं ने इरादा किया होगा, खासकर उन मामलों में जहां विधेयक जटिल संवैधानिक या नीतिगत प्रश्न उठाते हैं।

दूसरी ओर, यदि वृहद पीठ द्वारा फैसले को खारिज कर दिया जाता है, तो अनिश्चितकालीन विलंब की यथास्थिति वापस आ जाएगी, जब तक कि संसद स्वयं समय-सीमा तय करने के लिए हश्तक्षेप न करे, जो एक राजनीतिक रूप से जटिल प्रश्ताव है। किसी भी स्थिति में, गहरा सवाल अनसुलझा रहता है: जब विधेयकों में देरी हो रही हो, तो न्यायिक समीक्षा का वैध दायरा क्या होना चाहिए? क्या न्यायपालिका केवल यह आकलन करने तक सीमित है कि क्या देरी अनुचित है, या क्या वह आगे बढ़कर विधेयकों की प्रकृति की जांच कर सकती है, जब तक कि स्वीकृति न मिल जाए?

अप्रैल के फैसले में स्पष्टता की कमी से मुक़दमों की बाढ़ आने का ख़तरा है। उदाहरण के लिए, तीन महीने की राज्यपालीय चुप्पी के बाद स्वतः कानून बन जाने वाले किसी विधेयक को बाद में संवैधानिक कमज़ोरियों के आधार पर चुनौती दी जा सकती है। तब अदालतों को न केवल स्वतः स्वीकृति तंत्र की वैधता पर, बल्कि स्वयं कानून की मूल संवैधानिकता पर भी निर्णय लेने के लिए कहा जाएगा।

यह दो-श्तरीय मुक़दमेबाज़ी उस निश्चितता को प्रदान करने के बजाय जटिलता की परतें बढ़ाएगी जिसका दावा इस फैसले में किया गया था। यह राज्यपालों को रणनीतिक रूप से पीछे हटने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकता है, यह जानते हुए कि विवादास्पद विधेयक, एक बार स्वतः स्वीकृति मिलने के बाद, वैसे भी न्यायिक बाधाओं का सामना करेंगे। ऐसा परिणाम विरोधाभासी रूप से उसी समस्या को और मज़बूत कर सकता है जिसका समाधान अप्रैल के फैसले में किया गया था।

बड़ी पीठ के समक्ष चल रही सुनवाई इन तनावों को दूर करने की कठिनाई को रेखांकित करती है। न्यायिक रचनात्मकता लंबे समय से भारतीय संवैधानिक कानून की एक पहचान रही है, मूल संरचना सिद्धांत से लेकर मौलिक अधिकारों की व्यापक व्याख्याओं तक।

फिर भी, व्याख्या और संशोधन के बीच एक रेखा, चाहे कितनी भी धुंधली क्यों न हो, रही है। 8 अप्रैल के फैसले पर बहस उस सीमा की नाज़ुकता को उजागर करती है। समय-सीमाएं निर्धारित करके, दो न्यायाधीशों की पीठ ने भले ही नेकनीयती से प्रयास किया हो, शायद हद पार कर दी हो।

बड़ी पीठ का सतर्क दृष्टिकोण इस जागरूकता को दर्शाता है कि संवैधानिक मौन का सम्मान किया जाना चाहिए, भले ही वे कभी-कभी कार्यपालिका के अवरोधों की अनुमति देते हों। न्यायिक आदेश के माध्यम से हर कमी को पूरा करने का जोखिम यह है कि संविधान धीरे-धीरे आधारभूत पाठ नहीं रह जाता और न्यायिक रूप से जोड़े गए खंडों का एक ढेर बन जाता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

तमंचा कारतूस सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। जनपद में अपराध की रोकथाम व अवैध शस्त्र रखने वाले शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना गांधीपार्क पुलिस टीम ने एक शातिर अभियुक्त टीकम उर्फ भोला पुत्र मदनलाल निवासी डोरीनगर गली नं0 01 थाना गाँधीपार्क जिला अलीगढ़ को एक तमंचा 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ अलीगनगर रोड से भदेशी की ओर जाने वाले राश्ते पर टंकी की ओर से आने वाले राश्ते से गिरफ्तार किया।

चोरी की मोटर साईकिल सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। जनपद में अपराध की रोकथाम व लूट, चोरी व छिनैती की घटना कारित करने वाले शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर मृगांक शेखर पाठक के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय कमलेश कुमार के पर्यवेक्षण में थाना बन्नादेवी पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरो की मदद से अभियुक्त फैजान पुत्र मो0 अफजल निवासी सराय सुल्तानी चौडा कुआ थाना सासनीगेट जनपद अलीगढ को चोरी की मोटर साईकिल स्पलेण्डर सहित नुमाइश ग्राउण्ड से गिरफ्तार किया। अभियुक्त से चैन स्नैचिंग के सम्बन्ध मे पूछताछ की गयी तो बताया कि चैन को मैंने एक राह चलते अज्ञात व्यक्ति को 7000 रूपये मे बेच दी थी, जिसमे से 1120 रूपये शेष बचे है।

एएमयू के आर्थोपेडिक सर्जन वैश्विक स्तर पर सम्मानित

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्रख्यात आर्थोपेडिक सर्जन प्रो. आमिर बिन साबिर ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। 25 वर्षों से अधिक का चिकित्सकीय अनुभव रखने वाले और आर्थोपेडिक्स विभाग के पूर्व अध्यक्ष रहे डॉ. साबिर पेशेवर उत्कृष्टता के प्रतीक माने जाते हैं। हाल ही में वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी में आयोजित वार्षिक वैज्ञानिक सम्मेलन में, जिसे वीएएएस, एपीएएस, एपीएचएस, एचएएस और एचएए द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, डॉ. साबिर को वक्ता और संचालक के रूप में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने "टोटल नी रिप्लेसमेंट के आसपास होने वाले पेरिप्रॉस्थेटिक फ्रैक्चर और उनके समाधान" विषय पर व्याख्यान दिया। इससे पूर्व ऑस्ट्रेलिया के केर्न्स शहर में आयोजित एपीओए 2025 कांग्रेस में उन्होंने 'टोटल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी के दौरान रक्तस्राव नियंत्रित करने की नवीनतम विधियाँ' विषय पर अपने शोध-आधारित व्याख्यान से उपस्थित विशेषज्ञों को अवगत कराया। डॉ. साबिर की ये उपलब्धियाँ न केवल आर्थोपेडिक्स क्षेत्र में उनकी शैक्षणिक और शोध संबंधी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, बल्कि एएमयू और इसके आर्थोपेडिक्स विभाग की वैश्विक पहचान को भी सुदृढ़ करती हैं।

पुलिस व फौजियों की मारपीट में खत्म होंगे मुकदमें

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

थाना अतरौली क्षेत्र में फौजी भाइयों और पुलिस कर्मियों के बीच हुई मारपीट के मामले में आपसी समझौता हो गया है। पुलिस इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से दर्ज किए गए मुकदमें को खत्म करेगी।

सैन्य अधिकारियों के हश्तक्षेप के बाद सेना के सम्मान में यह निर्णय लिया गया है। दोनों फौजी भाइयों ने अतरौली थाना क्षेत्र की कस्बा चौकी में तैनात चौकी इंचार्ज संदीप कुमार वर्मा और सेकंड अफसर एसआई सत्य प्रकाश सिंह के साथ मारपीट की थी। इस मारपीट में एक कांस्टेबल भी घायल हो गया था। जिसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए दोनों फौजी भाइयों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था।

अतरौली के नगाइचपाड़ा निवासी अमित सिंह और उनके भाई अजीत सिंह दोनों फौजी हैं और जम्मू में तैनात है। 30 अगश्त को दोनों अपनी पत्नियों के साथ बाजार गए थे।

इसी दौरान वह कस्बे की पुलिस चौकी में दो महीने पहले हुए एक झगड़े की जानकारी लेने के लिए पहुंच गए। यहां उनकी चौकी इंचार्ज से झड़प हो गई थी और नौबत हाथापाई तक पहुंच गई थी। फौजी भाइयों ने जांच अधिकारी दरोगा संदीप सिंह, दरोगा सत्यप्रकाश और कांस्टेबल सुचेंद्र को जमकर पीटा था और घायल कर दिया था। उन्होने पुलिस कर्मियों के साथ बाजार में भी मारपीट की थी और वर्दी फाड़ दी थी।

पुलिस कर्मियों से मारपीट की सूचना पर अतरौली थाना प्रभारी सत्यवीर सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे थे और बल प्रयोग करके दोनों फौजी भाइयों को गिरफ्तार कर लिया था। इस दौरान पुलिस ने बाजार में फौजी भाइयों को पीटा था और थाने ले आए थे। जिसके बाद पुलिस ने दरोगा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए दोनों फौजी भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। लेकिन ग्रामीणों ने इस घटना का वीडियो बना लिया था, जो जमकर वायरल हो रहा था। जिसके बाद ग्रामीणों ने रविवार को थाना घेर लिया।

घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व सैनिकों के साथ मथुरा और आगरा से सेना के अधिकारी अतरौली पहुंचे थे। उन्होंने एसएसपी से बातचीत की थी। जिसमें एसएसपी ने फौजियों द्वारा पुलिस कर्मियों से की गई मारपीट के वीडियो दिखाए थे। जिस पर एक वीडियो में पुलिस कर्मी फौजियों को लात मारते नजर आ रहे थे। पुलिस ने बल प्रयोग करके बीच बाजार से दोनों भाइयों को गिरफ्तार किया था।

फौजियों को लात मारनपे के वीडियो पर सैन्य अधिकारियों ने नाराजगी जताई और आरोपी पुलिस कर्मियों पर भी मुकदमा दर्ज करने की बात कही। जिसके बाद एसएसपी संजीव सुमन ने तत्काल आरोपी पुलिस कर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए थे। बीते दिनों सैन्य अधिकारियों के कहने पर पुलिस कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया था।

शुक्रवार को सेना के अधिकारियों ने दुबारा संजीव सुमन से बातचीत की और आश्वासन दिया कि दोनों फौजियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। सैन्य अधिकारियों के हश्तक्षेप के बाद पीड़ति पुलिस कर्मियों और फौजी भाइयों से आपसी बातचीत के बाद समझौता किया गया है। एसएसपी संजीव सुमन ने बताया कि सैन्य अधिकारियों से बातचीत के बाद सेना के सम्मान में प्रचलित मुकदमों को खत्म करने का निर्णय लिया गया है। दोनों पक्षों से बातचीत भी की गई है कि वह भविष्य में ऐसी स्थिति न बनने दें।

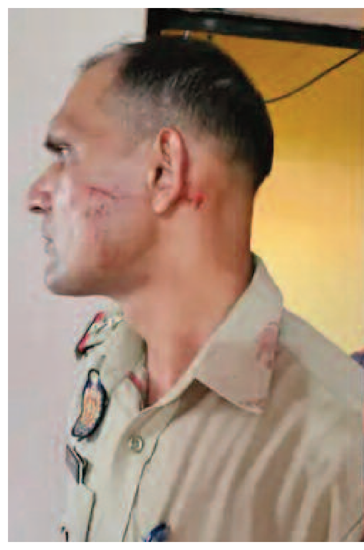

मिशन शक्ति अभियान अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

एसएसपी संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे ष्मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समस्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु "शक्ति दीदी" के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों, कस्बों व मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कॉलेज व कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं व बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को शासन व यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों के बारे में विश्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है।

महिलाओ एवं बालिकाओं से वार्ता कर उनके अन्दर आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

मीनाक्षी पुल के नीचे से हटेगा अतिक्रमण व पुराना पार्क, नगर निगम बनाएगा वाहन पार्किंग

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

शासन द्वारा नगरीय निकायों में ट्रैफिक व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए उ०प्र० नगर निगम (पार्किंग स्थान का सन्निर्माण, अनुरक्षण एवं प्रचालन) नियमावली, 2025 के नियम 4 में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में अलीगढ़ नगर निगम सीमान्तर्गत पार्किंग हेतु नगर आयुक्त की अध्यक्षता वाली पार्किंग प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने एडीएम नगर अमित कुमार भट्ट, एसपी ट्रैफिक प्रवीण कुमार यादव, सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह, ज्योति सहगल प्लानर एडीए, ट्रैफिक एडवाइजर अरुण श्रीवास्तव बिजेंद्र सिंह अधिशासी अभियंतता के साथ पार्किंग स्थल व यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए निरीक्षण किया।

नगर आयुक्त ने बताया कि पार्किंग प्रबन्ध समिति के पहले निरीक्षण में कई महत्वपूर्ण स्थानों को पार्किंग के रूप में तब्दील करने की जल्द क्रवायद शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया क्वारसी चौराहे को जाम अतिक्रमण से मुक्त बनाने व ई रिक्शा बसों की पार्किंग के लिए क्वारसी से कमिश्नरी मोड़(महेशपुर) तक सड़क के बायीं ओर बने अव्यवस्थित फुटपाथ जिस पर अतिक्रमण हुआ है। उसको प्राइवेट पार्किंग के रूप में डेवलप करने का निर्णय लिया गया है इस पार्किंग के लिए डिज़ाइन अलीगढ़ विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार किया जाएगा और नगर निगम इस जगह पर आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराकर पार्किंग का प्राइवेट ठेका दिया जाएगा ताकि नगर निगम को राजस्व में वृद्धि हो सके।

उन्होंने बताया कि ओएलएफ सेंट फिडेलिस के स्कूली बच्चों की सुरक्षा व जनहित में भविष्य में यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए विद्या नगर (कुंजीलाल) के मोड़ से ओएलएफ तक सीएम ग्रिड के अंतर्गत फुटपाथ बनाया जाएगा साथ ही साथ अलीगढ़ विकास प्राधिकरण द्वारा ओएलएफ सेंट फिडेलिस को आने जाने के लिए फुटओवर ब्रिज का निर्माण अवस्थापना निधि से कराये जाने का निर्णय लिया गया। मीनाक्षी पुल के नीचे अव्यवस्थित पार्किंग, पार्क व अतिक्रमण के कारण होने वाले ट्रैफिक जाम के समाधान के लिए नगर निगम द्वारा पुल के नीचे से पुराने पार्क को तोड़कर वहाँ वाहन पार्किंग बनाने का निर्णय लिया गया है। सारसौल चौराहे पर ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए रोडवेज विभाग को सभी बसों को अनिवार्य रूप से बस स्टैंड के अन्दर ही सवारी लेने व उतारने की व्यवस्था को लागू करने के साथ साथ पीपीपी मोड पर तैयार किया जा रहे रोडवेज बस स्टैंड को समतलीकरण के लिए मिट्टी मलबा आदि की फीलिंग के लिए संबंधित ठेकेदार से अभी काम शुरू कराए जाने का भी निर्णय लिया गया। सारसौल पर बसों के संचालन को सुगम बनाने के लिए बरौला मोड़ से आईटीआई रोड की ओर से मूवमेंट के लिए एडीए, ट्रैफिक विभाग संयुक्त रूप से नगर निगम के साथ निरीक्षण कर अतिक्रमण चिन्हित करेंगे।

नगर आयुक्त ने कहा पहले निरीक्षण में शहर में ट्रैफिक सुधार के दृष्टिगत कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए है जिनको अगले एक महीने में जमीनी रूप देने का प्रयास किया जाएगा उन्होंने यह भी बताया अगले निरीक्षण में आगरा रोड व मथुरा बाईपास का निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी नगर अमित कुमार भट्ट, प्रवीण कुमार यादव एसपी ट्रैफिक, वीर सिंह सहायक नगर आयुक्त, ज्योति सहगल प्लानर एडीए, ट्रैफिक एडवाइजर अरुण श्रीवाश्तव, बिजेंद्र सिंह, अहसान रब आदि साथ थे।

शहर में विभिन्न स्थानों से निकला जुलूस-ए-मुहम्मदी

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

शुक्रवार को पैगंबर मुहम्मद साहब की यौम-ए-पैदाइश को ईद मिलादुन्नबी के रूप में धूमधाम से मनाया मनाया। शहर भर में जुलूस-ए-मुहम्मदी निकला।

इस दौरान भारी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए, स्टाल लगाकर लोगो को हलवा भी बांटा गया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए जगह जगह पुलिस फोर्स तैनात रहा।

सिविल लाइन क्षेत्र के सैयद कॉलोनी स्थित खानकाह नियाजिया से जुलूस-ए-मुहम्मदी निकला। जोकि निजामी पुलया, सर सैयद नगर, गोल्डन वाली गली, दोदपुर, मेडिकल रोड होते हुए खानकाह नियाजिया में समाप्त हुआ। मदरसा फैजान मुश्तफा जोहरा बाग से मौलाना सैयद जमाल अहमद की अगुवाई में जुलूस निकला। मस्जिद इरफान चिल्कौरा, निशात बाग मुश्तफा मस्जिद, रजा मस्जिद रजा नगर, मदरसा दावतुल हक रजा नगर, मस्जिद या गरीब नवाज चिश्ती नगर, मदरसा अरबिया अजहर उल उलूम जाकिर नगर, मस्जिद या रसूलुल्लाह गली नंबर 10 जीवनगढ़, मदरसा शमीम अहमद फैजान गरीब नवाज, मस्जिद नंबर 4 गली, मदरसा फैजान गरीब नवाज, नूरी मस्जिद केला नगर, मस्जिद एकता नग, मदरसा लुत्फिया अब्बास नगर से जुलूस निकला।

उलमाओं ने बताया कि हमारे पैगंबर मोहम्मद सल्लल्लाहो वाले वसल्लम आज के दिन ही दुनिया में इंसानियत का पैगाम लेकर आए थे। आज के दिन ही वफात हुई थी ।हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो वाले वसल्लम ने दुनिया को इंसानियत का पैगाम दिया था, उन्होंने ही हम सबको जीने का तरीका सिखाया।

हम मुसलमानो को एक ऐसा पैगाम दे गए जो पूरी दुनिया के मुसलमान आज उन्हें याद करते हैं। उन्हीं के बताए हुए राश्ते पर चलते हैं। पूरी दुनिया में आज के दिन भाईचारे का पैगाम देखने को मिलता है। हजरत मोहम्मद सल्ले वसल्लम ने बताया कि किसका कितना हक है। मां-बाप भाई बहन पड़ोसी के साथ हमें किस तरीके से व्यवहार करना चाहिए।

वहीं, इस दौरान स्टाल लगाकर लोगों को हलवा वितरित किया। उन्होंने बताया कि आज पैगंबर मोहम्मद सल्लल्लाहो वाले वसल्लम का 1500 वां जन्म दिवस है।

शिक्षक दिवस पर सीएम ने उत्कृष्ट शिक्षकों का किया सम्मान

✷ **एनसीआर टुडे. लखनऊ** ✷

राजधानी के लोकभवन सभागार में शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्य शिक्षक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर बेसिक और माध्यमिक शिक्षा क्षेत्र के कुल 81 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसमें बेसिक शिक्षा के 66 और माध्यमिक शिक्षा के 15 शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए शामिल किया गया।

'उद्गम' के डिजिटल प्लेटफॉर्म का मुख्यमंत्री ने किया शुभारम्भकार्यक्रम में एससीईआरटी द्वारा तैयार की गई बाल कहानी संग्रह 'गुल्लक', 'बाल वाटिका' हश्त पुश्तिका, शैक्षिक नवाचारों के संकलन की पुश्तिका 'उद्गम' का विमोचन और उद्गम के डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारम्भ किया गया। पुश्तक 'उद्गम' में शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में किये जा रहे नवाचारों के उत्कृष्ट प्रयासों को समाहित किया गया है। इसके अलावा बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित समर कैम्प और वृक्षारोपण से संबंधित लघु फिल्म का भी प्रदर्शन हुआ।

मुख्यमंत्री द्वारा इस अवसर पर बेसिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा से जुड़े 5-5 प्रधानाचार्य-शिक्षकों को सम्मान स्वरूप 25 हजार की धनराशि, प्रशशित पत्र, स्मृति चिह्न के रूप में मां सरस्वती की प्रतिमा एवं शाल भेंट किया गया।

--शिक्षा के शिक्षकों का सीएम ने किया सम्मानसम्मानित शिक्षकों में बेसिक शिक्षा विभाग से भदोही के सहायक अध्यापक संतोष कुमार सिंह, मेरठ से सहायक अध्यापिका रेनू सिंह, लखीमपुर खीरी से सहायक अध्यापिका मोहिनी श्रीवाश्तव, प्रयागराज से सहायक अध्यापिका डॉ. रीना मिश्रा, गोरखपुर से सहायक अध्यापक प्रमोद कुमार सिंह शामिल रहे।

माध्यमिक शिक्षा से जुड़े हमीरपुर के प्रधानाचार्य रामप्रकाश गुप्त, गाजियाबाद की अध्यापिका वाणिज्य कोमल त्यागी, बरेली से प्रधानाचार्य चमन जहां, जौनपुर से प्रधानाचार्य जंगबहादुर, गोरखपुर के विज्ञान अध्यापक डॉ. वीरेन्द्र कुमार पटेल को मुख्यमंत्री ने मंच से सम्मानित किया।

--2204 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को वितरित किया गया टैबलेटइस अवसर पर प्रदेश के 2204 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को टैबलेट वितरण किया गया। इनमें महोबा से सरगम खरे और ज्ञानवंत सिंह, प्रयागराज के धर्मेन्द्र कुमार, चंदौली के राजेश यादव और गाजियाबाद की डॉ. विभा चौहान को मुख्यमंत्री द्वारा मंच से टैबलेट प्रदान किया गया।

--1236 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पणमुख्यमंत्री ने प्रदेश के 1236 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट क्लास का भी लोकार्पण किया और पांच विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को इस बाबत मंच से प्रमाण पत्र प्रदान किया। इनमें बांदा के अजय प्रकाश सिंह, गाजीपुर के दिनेश यादव, गोरखपुर की किरणमई तिवारी, ललितपुर की अंजना वर्मा और गोरखपुर से विश्वप्रकाश सिंह शामिल थे।

गुणवत्तापूर्ण कंटेंट के माध्यम से बच्चों को समान शिक्षा मिल रहीबेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि सरकार बच्चों को आधुनिक पद्धति से बिना भेदभाव शिक्षा प्रदान कर रही है। स्मार्ट क्लास, अच्छे शिक्षक और गुणवत्तापूर्ण कंटेंट के माध्यम से बच्चों को समान शिक्षा मिल रही है। सरकार बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

माध्यमिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि योगी सरकार के नेतृत्व में नकल पर पूरी तरह नकेल लगी है। नकल माफिया अब पराजित हैं और पकड़े जाने पर उन्हें एक करोड़ रुपए का जुर्माना और आजीवन कारावास का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थी को विद्वान बनाता है और गुरु विद्यार्थी को महान। शिक्षक समाज और बच्चों के लिए आदर्श हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रभारी मुख्य सचिव एवं माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा सहित प्रदेश भर से आये शिक्षकगण उपस्थित रहे।

महिला के पेट से 13 किलो का ट्यूमर निकाला

एनसीआर टुडे. आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में स्थित एस.एन. मेडिकल कॉलेज के कैंसर सर्जरी विभाग ने एटा जिले की रहने वाली एक महिला के पेट से 13 किलो वजन का दुर्लभ ओवरी ट्यूमर निकाला एक असंभव-सी चुनौती को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

ऑको-सर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल ने शुक्रवार को बताया कि महिला मरीज रुकमनी को कई महीनों से पेट में सूजन, तेज दर्द, भूख न लगना और चलने-फिरने में कठिनाई जैसी गंभीर समस्याएं थीं।

ट्यूमर का आकार इतना अधिक बढ़ गया था कि उसने आंतो, पेशाब की थैली और अन्य पेट के महत्वपूर्ण अंगों पर दबाव डालना शुरू कर दिया था। वह पहले से ही कई साइकिल कीमोथेरेपी ले चुकी थीं और यह केस बेहद हाई-रिस्क माना जा रहा था। आगरा और आसपास के जिलों के कई चिकित्सा केंद्रों ने इस सर्जरी को करने से मना कर दिया था।

सड़क से उठाए गोवंश चार दिन तक वाहन में ही बांधे रखे, बारिश-धूप में भूखे-प्यासे तड़पते हुए पांच की मौत

मेरठ , एजेंसी। कान्हा उपवन में गोवंशों की मौत का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि बृहस्पतिवार को सूरजकुंड स्थित नगर निगम के ट्रॉमा सेंटर में पांच गोवंशों की मौत हो गई। यहां ट्रॉमा सेंटर में काफी गंदगी थी और मरे हुए गोवंशों से दुर्गंध उठ रही थी। सूचना पर पहुंचे पार्षदों ने नगर निगम के अधिकारियों को गोवंशों की मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए हंगामा किया। बाद में वे धरने पर बैठ गए। हंगामा बढ़ते देख महापौर हरिकांत अहलूवालिया ने कमिश्नर से जांच कराने का आश्वासन देकर पार्षदों को धरने से उठाया।

परतापुर स्थित कान्हा उपवन गोशाला में बीते दिनों गोवंशों की मौत के कई मामले सामने आए थे। इसमें भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का खुलासा हुआ था। मौत का कारण गोवंशों को पर्याप्त चारा और चिकित्सा सुविधा न मिलना बताया गया था। इस मामले में पूर्व नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरपाल सिंह को गिरफ्तार किया गया था और गोशाला में चारा आपूर्ति करने वाली फर्मों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अफसरों ने एजेंसी को ब्लैकलिस्ट कर भुगतान रोकने के दावे किए थे।

देखरेख के अभाव में लापरवाही से दम तोड़ रहे गोवंश

पार्षद संजय सैनी ने बताया कि बीवीजी कंपनी के डिपो में ही ट्रॉमा सेंटर बनाया हुआ है। कुछ लोगों ने गोवंशों के मरे होने की सूचना दी। इस पर पार्षद पवन चौधरी और पार्षद प्रतिनिधि रचित गुलाटी आदि पहुंचे। उन्होंने बताया कि ट्रॉमा सेंटर में लावारिस और कान्हा उपवन के बीमार गोवंशों को लाकर उपचार किया जाता है। तीन-चार दिन पहले दो गोवंश को लाया गया था। पिछले तीन दिन से बारिश हो रही है और दोनों गोवंशों को वाहन में ही बांधा हुआ था। उन्हें नीचे तक नहीं उतारा गया। बंधे-बंधे ही भूख-प्यास से उनकी मौत हो गई। देखरेख में लापरवाही के कारण ही गोवंश बार-बार दम तोड़ रहे हैं।

ताला खुलते ही सामने आया सच

पार्षदों ने बताया कि ट्रॉमा सेंटर में ताला लगा हुआ था। तैनात निगम कर्मचारियों से ताला खोलने को कहा तो वे तैयार नहीं हुए। हंगामे के बाद ताला खोला तो लापरवाही का सच सामने आ गया। यहां पांच गोवंश मरे हुए थे और दो की हालत खराब थी। मरे हुए गोवंश से दुर्गंध उठ रही थी।

ये हालात निगम अधिकारियों की लापरवाही उजागर करते हैं। करता है। गोवंशों की मौत से गुस्साए पार्षद धरने पर बैठ गए। महापौर हरिकांत अहलूवालिया व अपर नगर आयुक्त पंकज कुमार पहुंचे और पार्षदों को शांत कराया। महापौर ने आश्वासन दिया कि मामले में कमिश्नर को पत्र लिखा है। जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पंकज कुमार ने कहा कि लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को बख्शा नहीं जाएगा। विभागीय जांच कर कार्रवाई होगी।

ई-चालान का मेसेज भेज खाते से 11 बार में उड़ाए 18 लाख, एपीके फाइल का इस्तेमाल कर रहे जालसाज

मऊ। मऊ जिले में हनी ट्रैप, डिजिटल अरेस्ट के बाद अब साइबर ठग लोगों को फंसाने के लिए नए हथकंडे के रूप में ई-चालान के रूप में एपीके फाइल का इस्तेमाल कर रहे हैं। अगस्त में पांच लोग साइबर ठगी के शिकार हुए हैं।

इसमें एक वार्ड के सभासद के बड़े भाई भी शामिल हैं। इनके खाते से ठगों ने 18 लाख से अधिक की राशि 11 बार में निकाल ली। इस माह भी एक पीड़ित ने साइबर सेल में 10 हजार की ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। यह पीड़ित निजामुद्दीनपुरा का रहने वाला है।

नगर पालिका के वार्ड 14 के सभासद मुकेश सिंह के बड़े भाई भूपेंद्र सिंह ने केस दर्ज कराया है। इसमें बताया कि 19 अगस्त की शाम उनके मोबाइल पर ई-चालान के नाम से एक मेसेज आया। इसके बाद उन्होंने फाइल खोली।

बताया कि उस दिन तो उनके खाते से कोई राशि नहीं निकली लेकिन 20 अगस्त की शाम पांच बजकर 28 मिनट पर उसके खाते से पहले एक लाख की राशि निकली। वह कुछ समझ पाते, जब तक दोबारा दो लाख रुपये निकल गए। लेकिन इस बीच ठगों ने 11 बार में 18 लाख 44 हजार रुपये निकाल लिए। इसी तरह से मधुबन के एक व्यक्ति ने भी ई चालान के नाम पर भेजी गई एपीके फाइल से झांसे में आकर एक लाख की राशि गंवा दी।

ऐसे समझें एपीके फाइल को – पुलिस अधीक्षक इलामारन जी ने बताया कि एपीके फाइल का मतलब एंड्रॉइड पैकेज किट है। यह एक फाइल का प्रारूप है। इसका उपयोग एंड्रायड ऑपरेटिंग सिस्टम में एप वितरित और इंस्टॉल करने के लिए किया जाता है।

यूएस ओपनः

पेगुला को हराकर विमेंस सिंगल्स के फाइनल में सबालेंका

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूएस ओपन की मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका ने विमेंस सिंगल्स के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना ने सेमीफाइनल में चौथी वरीय जेसिका पेगुला को 4-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। रोमांचक तीन सेटों वाले मुकाबले की शुरुआत में जेसिका पेगुला ने पूरा फायदा उठाया। उन्होंने बेहद सटीक तथा संयमित पहला सेट खेला, जिससे सबालेंका लगातार असंतुलित रहीं। उन्होंने सिर्फ तीन अनफोर्स्ड एरर किए और रिटर्न पर आक्रामक बनी रहीं।

27 वर्षीय सबालेंका दूसरे सेट में पहले बढ़त लेने में कामयाब रहीं। उन्होंने शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई और अंततः मैच को निर्णायक सेट तक ले गईं। तीसरे सेट की शुरुआत में 30-40 पर सर्व करते हुए पेगुला ने फोरहैंड बाउंड्री लाइन से बाहर भेज दिया और खुद मुश्किल में पड़ गईं। अमेरिकी खिलाड़ी ने सबालेंका की सर्विस पर दबाव बनाना जारी रखा। छठा गेम करीब नौ मिनट तक चला, लेकिन 30 वर्षीय पेगुला सात में से केवल दो ब्रेक के मौकों को ही भुना पाईं। 5-4, 40-30 के स्कोर पर मैच के लिए सर्विस करते हुए, सबालेंका ने एक सामान्य ओवरहेड शॉट नेट में मारा। पेगुला ने एक और मैच प्वाइंट बचाया, लेकिन तीसरा प्वाइंट नहीं बचा पाईं। इसी के साथ वह दो घंटे पांच मिनट तक चले मुकाबले को गंवा बैठीं। यह सबालेंका का लगातार पांचवां यूएस ओपन सेमीफाइनल था। उनसे पहले न्यूयॉर्क में लगातार पांच सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पिछली खिलाड़ी सेरेना विलियम्स थीं। इस अमेरिकी खिलाड़ी ने साल 2011-2016 के बीच यह कारनामा किया। सबालेंका अपना सातवां ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलने जा रही हैं। यह पिछले पांच मेजर्स में उनका चौथा और न्यूयॉर्क में लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। वह अपने यूएस ओपन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने से केवल एक जीत दूर हैं। अमांडा अनीसिमोवा और नाओमी ओसाका के बीच होने वाले सेमीफाइनल की विजेता का इंतजार करते हुए, सबालेंका लगातार दो यूएस ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगी। इससे पहले यह उपलब्धि सेरेना विलियम्स ने हासिल की थी, जिन्होंने 2012 से 2014 के बीच तीन बार लगातार खिताब जीता। सबालेंका इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोलां गैरो के फाइनल में और विंबलडन सेमीफाइनल में चूक गई थीं।

यूएस ओपन 2025: एक दशक बाद यूएस ओपन देखने पहुंचेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

न्यूयॉर्क, एजेंसी। 2015 में एक क्वार्टरफाइनल मैच के दौरान दर्शकों की हूटिंग के बाद से उन्होंने टूर्नामेंट का रुख नहीं किया। अब एक दशक के बाद वह इस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट का फाइनल देखने पहुंचेंगे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रविवार को यूएस ओपन पुरुष एकल फाइनल में शिरकत करेंगे। व्हाइट हाउस ने गुरुवार देर रात इस यात्रा की आधिकारिक पुष्टि की।

ट्रंप रविवार दोपहर क्वीन्स, न्यूयॉर्क जाएंगे और मैच खत्म होते ही वॉशिंगटन लौट आएंगे। यह मुकाबला दोपहर दो बजे शुरू होगा। इस साल फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का फैसला सेमीफाइनल मैचों के बाद होगा, जिसमें शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनर, फेलिक्स औगर-अलियासिम, नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्काराज शामिल हैं। ट्रंप लंबे समय तक न्यूयॉर्क क्षेत्र के रियल एस्टेट कारोबारी और बाद में रियलिटी टीवी स्टार के रूप में यूएस ओपन के स्थायी दर्शक रहे। वह अक्सर आर्थर ऐश स्टेडियम की बालकनी में दिखते थे और कैमरों पर भी बार-बार नजर आते थे।

हाय रे किस्मत! दोहरे शतक से 3 रन दूर था बल्लेबाज, फिर बीच मैदान हुआ ये हादसा

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2025 के पहले सेमीफाइल में साउथ जोन और नॉर्थ जोन की टीमों का आमना-सामना हो रहा है. दोनों टीमों के बीच ये मैच बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 1 में खेला जा रहा है. इस मैच में साउथ जोन के लिए खेल रहे तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन ने एक यादगार पारी खेली. लेकिन वह दोहरा शतक बनाने से चूक गए. वह 200 रन का आंकड़ा छूने से सिर्फ 3 रन दूर रहे . नॉर्थ जोन ने मुकाबले की शुरुआत में टॉस जीतकर साउथ जोन को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया. साउथ जोन की ओर से पारी की शुरुआत करने उतरे नारायण जगदीशन ने जमकर रन बनाए. जगदीशन ने खेल के पहले दिन 184 गेंदों का सामना करते हुए अपना शतक पूरा किया. उन्होंने काफी संभलकर बल्लेबाजी की और खेल के दूसरे दिन भी क्रीज पर जम गए. उन्होंने 159 रन का आंकड़ा छूने के लिए 262 गेंदे लीं. लेकिन 197 रन के स्कोर पर पहुंचने के बाद उन्हें एक गलती भारी पड़ गई. दरअसल, वह रन आउट होकर अपना विकेट गंवा बैठे. नारायण जगदीशन ने इस पारी में कुल 352 गेंदों का सामना किया और 197 रन बनाए. उनकी इस पारी में 16 चौके और 2 छक्के शामिल रहे. ऐसे में वह आउट होने के बाद काफी निराश नजर आए. उनके पास दोहरा शतक पूरा करने का एक बड़ा मौका था. बता दें, नारायण जगदीशन को हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया था. वह ऋषभ पंत की जगह टीम में आए थे, लेकिन डेब्यू नहीं कर सके थे.

दो दिन में दूसरी बार हुआ ऐसा

दलीप ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइल मैचों में लगातार दूसरे दिन ऐसा हुआ है जब कोई बल्लेबाज दोहरे शतक से चूका है. नारायण जगदीशन से पहले ऋतुराज गायकवाड़ भी दोहरा शतक पूरा करने से 16 रन दूर रह गए थे. वेस्ट जोन के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने सेंट्रल जोन के खिलाफ पहली पारी में 206 गेंदों का सामना करते हुए 184 रन बनाए. जिसमें 25 चौके और 1 छक्का शामिल रहा.

इसे मैं बड़े सम्मान की तरह देखता हूं, डेवाल्ड ब्रेविस ने डिविलियर्स से तुलना पर की बात

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) एजेंसी। प्यार से बेबी एबी कहे जाने वाले दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का कहना है कि एबी डिविलियर्स से तुलना होना उनके लिए हमेशा से एक विशेषाधिकार रहा है, बोझ नहीं। इस साल टी20 में ब्रेविस शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने 30 पारियों में 43.26 की औसत और 186.32 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से अब तक 995 रन बनाए हैं जिसमें 6 अर्धशतक और एक शतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 125* रहा है। ब्रेविस ने डिविलियर्स के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, (अंडर-19 विश्व कप 2022) यहीं जब मैंने भारत के खिलाफ 50 रन बनाए थे, तो मेरे एक दोस्त ने एक छोटा सा बोर्ड पकड़ा हुआ था जिस पर बेबी एबी लिखा था। तब से मैं लोगों को बताता आ रहा हूं कि यह कभी बोझ नहीं रहा और न ही मैंने कभी दबाव महसूस किया, क्योंकि मेरे लिए यह सबसे खास चीजों में से एक था।

महिला क्रिकेट विश्व कप 2025

श्रेया घोषाल उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका श्रेयस घोषाल आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी। आईसीसी की तरफ से गुरुवार को ये जानकारी दी गई। विश्व कप भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाना है। श्रेया घोषाल भारत और श्रीलंका के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले गुवाहाटी में होने वाले भव्य उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी। घोषाल ने टूर्नामेंट का आधिकारिक गीत ब्रिंग इट होम भी रिकॉर्ड किया है। विश्व कप की शुरुआत 30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में खेले जाने वाले मैच से होगी।

आईसीसी ने इस मेगा इवेंट के लिए टिकटों की जानकारी और मुख्य मनोरंजन योजनाओं का खुलासा किया है। इस साल का संस्करण सुलभता के मामले में एक नया मानक स्थापित करेगा, क्योंकि किसी भी आईसीसी वैश्विक आयोजन के लिए कीमतें रिकॉर्ड-कम होंगी। भारत में सभी लीग मैचों के टिकटों की कीमत पहले चरण में केवल 100 रुपये है। आईसीसी ने गुरुवार को घोषणा की कि प्रशंसकों के अनुकूल मूल्य निर्धारण का उद्देश्य खचाखच भरे स्टेडियम और उत्साही भीड़ सुनिश्चित करना है क्योंकि महिला क्रिकेट वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रहा है। गूगल पे प्रशंसकों के लिए विशेष प्री-सेल टिकट एक्सेस के साथ प्रशंसकों को एक्शन के रोमांच का अनुभव कराएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि टिकटों की बिक्री (गुरुवार, 4 सितंबर) भारतीय समयानुसार 19:00 शुरू होगी, जिसमें टिकट्स डॉट क्रिकेटवर्ल्डकप डॉट कॉम के माध्यम से गूगल पे उपयोगकर्ताओं के लिए चार दिवसीय विशेष प्री-सेल विंडो सोमवार (8 सितंबर) भारतीय समयानुसार 19:00 तक चलेगी।

महिला विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक खेला जाएगा। इसमें 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। विश्व कप भारत के चार शहरों और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा। भारत में मैच गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और मुंबई में खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीट्ज़के ने रचा इतिहास

वनडे क्रिकेट में तोड़े दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के 26 वर्षीय बल्लेबाज मैथ्यू बीट्ज़के ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे मैच के दौरान दो अनोखे वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए। बीट्ज़के वनडे क्रिकेट इतिहास में अपने शुरुआती पांच मैच की पांच पारी में 50 या उससे ज्यादा स्कोर करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। साथ ही बीट्ज़के ने वनडे क्रिकेट इतिहास में पांच मैचों की पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। बीट्ज़के ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे में 77 गेंद में 85 रन की पारी खेली। बीट्ज़के ने अपनी पारी में 7 चौके और तीन छक्के जड़े। जोफ्रा आर्चर ने उन्हें शतक पूरा करने से रोक दिया। भले ही बीट्ज़के लॉर्ड्स में शतक पूरा नहीं कर सके लेकिन अपनी 85 रन की पारी के साथ वो वनडे क्रिकेट इतिहास में पांच वनडे मैच की पांचों पारियों में 50 या उससे ज्यादा स्कोर करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले वनडे क्रिकेट में कोई भी बल्लेबाज पांच वनडे मैच की पांचों पारियों में 50 नहीं कर पाया। साथ ही बीट्ज़के ने वनडे क्रिकेट में पहली पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने अबतक खेले पांच वनडे मैच की पांच पारी में 463 रन बनाए हैं जो नया वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस मामले में उन्होंने न्यूजीलैंड के टॉम कूपर का रिकॉर्ड तोड़ा। कूपर ने वनडे क्रिकेट में अपनी पहली पांच पारी में 374 रन बनाए थे।

मैथ्यू बीट्ज़के ने वनडे करियर की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ 150 रन की शतकीय पारी के साथ की। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ 83, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 57 और 88 रन की पारी खेली। बीट्ज़के ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने जादुई प्रदर्शन को बरकरार रखा और लॉर्ड्स में 85 रन बनाए। बीट्ज़के पांच वनडे में एक शतक और चार अर्धशतक जड़ चुके हैं।

गौर है कि दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच तीन मैच की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला अभी शेष है। अगर बीट्ज़के अपने वनडे करियर के छठे मैच में 37 रन बना लेते हैं तो वो वनडे इतिहास में सबसे तेज गति से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने महिला विश्व कप के लिए टीम का ऐलान किया, 10 प्लेयर्स पहले भी खेल चुकी हैं डब्ल्यूसी

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली की अगुवाई में महिला वनडे विश्व कप के लिए शुक्रवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित की जिसमें बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनक्स ने चोट से उबरने के बाद वापसी की। सात बार का चैंपियन ऑस्ट्रेलिया मौजूदा चैंपियन भी है और आगामी प्रतियोगिता में भी वह अपना दबदबा कायम रखना चाहेगा, जो 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में आयोजित की जाएगी। विक्टोरिया की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट के कारण जनवरी से ही बाहर थी। वह हालांकि 14 से 20 सितंबर तक भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाएगी। डार्सी ब्राउन (क्वाड) और जॉर्जिया वेयरहैम (ग्रोइन) भी अपनी हाल की चोटों से उबरकर टीम में वापसी करने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया की टीम में 10 ऐसी खिलाड़ी भी शामिल हैं जो 2022 में खेले गए पिछले टूर्नामेंट का भी हिस्सा थी। इस टीम में एलिस पेरी, बेथ मूनी, एनाबेल सदरलैंड, ताहलिया मैकग्रा और एशले गार्डनर जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। आस्ट्रेलिया अपना अभियान एक अक्टूबर को इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू करेगा।

वनडे विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः

एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी की

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी कर ली है। हालांकि, अब वे न्यूजीलैंड के बजाय समोआ की तरफ से खेलेंगे। 41 साल के मिडिल ऑर्डर बैटर टेलर आगामी ईस्ट एशिया-पैसिफिक टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर टूर्नामेंट में समोआ की ओर से खेलेंगे। न्यूजीलैंड के इस बल्लेबाज की मां समोआ से हैं, जिसके कारण उन्हें वहां का पासपोर्ट मिला है।

टेलर ने साल 2022 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। वे अप्रैल 2022 में न्यूजीलैंड के लिए आखिरी बार खेले थे। ऐसे में उनका तीन साल का कूलिंग ऑफ पीरियड भी पूरा हो गया है और अब वे समोआ के लिए एलिजिबल हैं। मैं क्रिकेट में नीली जर्सी पहनकर समोआ का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं.

माइक टायसन और फ्लॉयड मेवेदर की होगी भिड़ंत

2026 में आमने-सामने होंगे दो महान मुक्केबाज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फैंस के लिए यह ऐतिहासिक पल होगा, जब ये दो दिग्गज एक रिंग में साथ आएंगे। 59 वर्षीय टायसन को मुक्केबाजी की दुनिया का सबसे खतरनाक हेवीवेट फाइटर माना जाता है। वहीं, 48 वर्षीय फ्लॉयड मेवेदर अब तक प्रोफेशनल बॉक्सिंग में अपराजित रहे हैं।

मुक्केबाजी की दुनिया के दो सबसे बड़े दिग्गज माइक टायसन और फ्लॉयड मेवेदर 2026 में एक प्रदर्शनी फाइट में आमने-सामने होंगे। यह जानकारी प्रमोटर सीएसआई स्पोर्ट्स ने गुरुवार को साझा की। हालांकि, इस मुकाबले की तारीख और स्थान का एलान नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी ने बताया कि यह ऐतिहासिक लड़ाई स्प्रिंग 2026 में होगी। इसकी डील साइन हो चुकी है। फैंस के लिए यह ऐतिहासिक पल होगा, जब ये दो दिग्गज एक रिंग में साथ आएंगे।

टायसन के आंकड़े शानदार

59 वर्षीय टायसन को मुक्केबाजी की दुनिया का सबसे खतरनाक हेवीवेट फाइटर माना जाता है। अपने करियर में उन्होंने 50-7 का रिकॉर्ड बनाया, जिसमें से 44 मुकाबले नॉकआउट से जीते। हालांकि, उनका आखिरी मैच नवंबर 2024 में यूट्यूबर से बॉक्सर बने जेक पॉल के खिलाफ था, जिसमें टायसन को हार का सामना करना पड़ा। उस मुकाबले में 70,000 दर्शकों ने लाइव मैच देखा और दुनिया भर में लाखों लोगों ने टीवी पर इसे फॉलो किया।

मेवेदर अब तक नहीं हारे

48 वर्षीय फ्लॉयड मेवेदर अब तक प्रोफेशनल बॉक्सिंग में अपराजित रहे हैं। उन्होंने 2017 में रिटायरमेंट लिया, लेकिन तब तक उनका रिकॉर्ड 50-0 रहा और उन्होंने पांच अलग-अलग वेट कैटेगरी में खिताब जीते। रिटायरमेंट के बाद भी मेवेदर ने कई एग्जीबिशन मुकाबले खेले, जिनमें अगस्त 2024 में जॉन गॉटी पर मेक्सिको में जीत शामिल है।

टायसन का बयान

इस मुकाबले पर प्रतिक्रिया देते हुए टायसन ने कहा, जब सीएसआई ने मुझे फ्लॉयड मेवेदर से लड़ने का प्रस्ताव दिया, तो मैंने सोचा कि यह संभव ही नहीं है। लेकिन जब फ्लॉयड ने हां कहा, तब यह तय हो गया।

यह फाइट ऐसी है जिसकी कल्पना न मैंने की थी और न दुनिया ने। बॉक्सिंग अब अनप्रिडिक्टेबल दौर में प्रवेश कर चुकी है और यह मुकाबला उसी का सबूत है।

सोशल मीडिया पर छाया पोस्टर

टायसन और मेवेदर ने अपने-अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भी इस फाइट का प्रमोट किया है। इस फाइट के हाइपअप के लिए मेवेदंर ने एक पंचलाइन भी दिया है।